हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 59, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 27 अगस्त, 2023 दिन रविवार | गाजीपुर/वाराणसी

बेंगलुरु से दिल्ली पहुंचे पीएम मोदी, कहा- हर सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है 'तिरंगा'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को बेंगलुरु से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज जब मैं इसरो पहुंचा तो चंद्रयान-3 द्वारा जो तस्वीरें ली गई थीं, उन्हें पहली बार रिलीज करने का सौभाग्य भी मिला। पीएम मोदी ने कहा कि चांद पर जहां पर चंद्रयान-3 लैंड किया गया है, उस प्वाइंट को एक नाम दिया गया और वो नाम दिया गया है- शिव शक्ति। उन्होंने कहा कि आज जब शिव की बात होती है शुभम होता है और शक्ति की बात होती है तो मेरी देश की नारी शक्ति की बात होती है। जब शिव की बात होती है तो हिमालय याद आता है और शक्ति की बात होती है तो कन्याकुमारी याद आता है। हिमालय से कन्याकुमारी तक इस भावना को उस प्वाइंट में प्रतिबिंबित करने के लिए इसका नाम शिवशक्ति तय किया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज मैंने चंद्रयान-2 के प्वाइंट का भी नामकरण किया और उस प्वाइंट का नाम रखा है- तिरंगा। हर संकटों से जूझने का सामर्थ्य तिरंगा देता है। उन्होंने कहा कि मैंने ब्रिक्स समिट में भी देखा कि शायद ही दुनिया का कोई व्यक्ति हो, जो चंद्रयान की बात न की हो, बधाई न दी हो। जो बधाईयां हमें वहां मिली हैं, वो आते ही हमने सभी वैज्ञानिकों के सामने उसे सुपुर्द कर दिया। प्रधानमंत्री ने अपनी ग्रीस यात्रा की भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 40 साल तक भारत के किसी प्रधानमंत्री ने ग्रीस की यात्रा नहीं की थी, लेकिन मुझे वहां जाने का सौभाग्य मिला। ग्रीस भारत के लिए यूरोप का प्रवेश द्वार बनेगा। भारत और ग्रीस की दोस्ती आने वाले दिनों में और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 23 अगस्त को जब भारत ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराया, उस दिन को अब नेशनल स्पेस डे के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि धरती को मां कहा जाता है और चंद्रमा को मामा। मतलब धरती माता चंदा मामा की बहन है। इस बार धरती माता चंदा मामा के साथ राखी का त्योहार मना रही हैं। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व का भारत के प्रति जिज्ञासा, आकर्षण और विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हम सबके सामने तत्काल एक अवसर आने वाला है। खासकर दिल्ली वासियों के लिए । वह अवसर है- जी 20 शिखर सम्मेलन। इस मौके पर दुनिया भर के मेहमान यहां आने वाले हैं। जो सम्मान हम उन्हें देंगे, उससे हमारी साख बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने दिल्लीवासियों से जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आने वाली असुविधाओं के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसलिए दिल्ली में पांच सितंबर से 15 सितंबर तक बहुत सारी गतिविधियां रहेंगी। आने वाले दिनों में कुछ असुविधा हो सकती है, इसलिए मैं दिल्ली वालों से उसकी क्षमा-याचना आज ही कर लेता हूं।

करंट की चपेट में आने से बुआ-भतीजे की मौत, गांव में छाया मातम

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां इटवा थाना क्षेत्र के गनवरिया गांव में शनिवार सुबह टुल्लू पंप में करंट उतरने से बुआ और भतीजे की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। ममता (25) पत्नी संतोष निवासी मैनभरिया अपने मायके गांवरिया गांव में आई हुई थी। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह टुल्लू पंप में करंट उतर आया। इससे ममता और उसके भतीजे आरूष (8) निवासी गनवरिया पूरब थाना इटवा की मौत हो गई। बुआ अभी कुछ दिन पहले आपने मायके गनवरिया पूरब आई थी। भतीजे को बचाने में वह भी अपनी जान दे बैठी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है। मामले की छानबीन चल रही है। वहीं हादसे के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मैनपुरी में डिंपल बोलीं- गठबंधन के नाम 'इंडिया' से ही डर गई भाजपा, लोकतंत्र में नहीं है विश्वास

मैनपुरी। मैनपुरी में सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। डबल इंजन सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। भाजपा सरकार को न्यायालय पर भी भरोसा नहीं है। न्यायालयों के आदेशों के खिलाफ सरकार काम कर रही है। चुनाव के समय लोगों से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए हैं। महिला अपराधों के प्रति सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। शुक्रवार को सांसद आवास विकास स्थित सपा कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता कर रही थीं। सांसद ने कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन के नाम इंडिया से ही भाजपा पूरी तरह डर गई है। गठबंधन के नाम को लेकर टिप्पणियां की जा रही हैं। गठबंधन का हर दल बहुत मजबूत है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का सरकार से जाना पूरी तरह तय है। डबल इंजन की सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महिला अपराधों के आरोपी छोड़े जा रहे हैं। महिला अपराध को भाजपा सरकार गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कई बड़े-बड़े घोटाले किए गए हैं। कैग की रिपोर्ट में धीरे-धीरे खुलासे भी हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत फैलाने और फूट डालने की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि हर जगह खाली जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। मैनपुरी में हर तीसरी शिकायत जमीन पर कब्जे की ही हो रही है। अधिकारी सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। सरकार की नीतियां सही नहीं हैं। कब्जा करने वालों को सरकार का संरक्षण मिलता है। संवेदनहीन सरकार वोट पाने के लिए कुछ भी कर सकती है। सांसद ने कहा कि भाजपा जुमलेबाज पार्टी है। समाज के किसी वर्ग की समस्याओं का समाधान भाजपा सरकार नहीं करती है। भाजपा सरकार केवल पूंजीपतियों का हित देखती है। महिला, किसान, युवा की समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। सपा की नीतियां समाज के कमजोर वर्ग के लिए थीं जबकि भाजपा की नीतियां पूंजीपतियों के लिए हैं। सांसद ने कहा कि 2024 के चुनाव के बाद भाजपा का सरकार से जाना पूरी तरह तय है। लोग भाजपा की हकीकत जान चुके हैं। देश में भाजपा विरोधी माहौल बन चुका है। 2024 के चुनाव में मतदाता भाजपा को सबक सिखाएंगे। जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य, रामनरायन बाथम, विधायक ब्रजेश कठेरिया, पूर्व विधायक राजू यादव, एएच हाशमी, सफी मंसूरी, ज्योती मैसी, अमृता गुप्ता, नेहा चौहान, वोटसिंह यादव मौजूद रहे।

योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश, बोले- दो माह में हर जिले में होगा साइबर क्राइम थाना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बढ़ते साइबर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सभी जिलों में साइबर थाने की स्थापना का निर्देश दिया है। दो माह में 57 जिलों में साइबर क्राइम थानों की स्थापना की जाएगी। वर्तमान में लखनऊ व गौतमबुद्धनगर समेत 18 साइबर क्राइम थाने हैं। योगी ने कहा है कि संबंधित जिलों में पुलिस लाइन में साइबर थानों की स्थापना की जाए। हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क के अलावा साइबर सेल क्रियाशील किए जाने का निर्देश दिया है। योगी ने शनिवार को साइबर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। कहा कि साइबर अपराधियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए हर स्तर पर साधन उपलब्ध कराए जाए। कहा कि तकनीक के दुरुपयोग से अपराध की प्रकृति भी बदली है। आनलाइन ठगी के साथ पेंशन, बिजली बिल, लोन व अन्य तरीके की साइबर ठगी की घटनाएं सामने आ रही हैं। साइबर अपराधी तरह-तरह की योजनाओं का प्रलोभन देकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए हर स्तर पर सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। स्कूल के पाठ्यक्रमों में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता के विषय शामिल किए जाएं। इसके अलावा बेसिक शिक्षा अधिकारी/जिला विद्यालय निरीक्षक को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करते हुए चरणबद्ध रूप से प्रधानाचार्यों/शिक्षकों और फिर विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को जागरूक किया जाए। कहा कि तत्काल जागरूकता सामग्री तैयार की जाए और जागरूकता सुनिश्चित कराई जाए। योगी ने साइबर अपराधों की विवेचना के लिए भी पुलिसकर्मियों के विधिवत प्रशिक्षण को और बढ़ाने का निर्देश दिया। कहा कि हर जिले में पांच पुलिस अधिकारियों को राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किया जाए। प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों द्वारा अपने जिले के प्रत्येक थाने के पांच निरीक्षक/उपनिरीक्षक को राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केंद्र के पोर्टल पर उपलब्ध कोर्स का प्रशिक्षण दिया जाए।

म्यूनिक के युवा नेताओं से रूबरू हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर, बहुध्रुवीयता और जी20 पर की चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को म्यूनिक के युवा नेताओं से मुलाकात ही। उन्होंने बताया कि सभी से मिलकर उनको बहुत खुशी हुई। साथ ही बताया कि उनकी ग्लोबल साउथ, बहुध्रुवीयता, जी20 और भारत की वैश्विक रणनीति पर एनिमेटेड बातचीत हुई और विदेश मंत्री ने विश्वास जताया कि म्यूनिक के युवा नेता अपनी भारत यात्रा की अच्छी यादें अपने साथ ले जाएंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट कर कहा कि एपी मोलर होल्डिंग्स के सीईओ रॉबर्ट मार्सक उग्गला से मिलकर अच्छा लगा। उनसे लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं और हरित परिवहन पर उपयोगी बातचीत हुई। साथ ही उनके गति शक्ति और व्यापार करना आसान बनाने के लिए उनके गर्मजोशी भरे शब्दों की सराहना करता हूं।

बीएसएफ को मिली बड़ी कामयाबी, तीन करोड़ से ज्यादा के सोने के बिस्कुटों के साथ तस्कर दबोचा

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (दक्षिण बंगाल सीमांत) के तहत आईसीपी पेट्रापोल (जिला-उत्तर 24 परगना) 145वीं जवानों ने एक तस्कर को 45 सोने के बिस्कुटों के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त सोने का वजन 5242.910 ग्राम है और जिसकी कीमत 3,07,44,424 रुपए बताई गई है। तस्कर सोने के बिस्कुटों को बांग्लादेश से वापस भारत आ रहे खाली ट्रक में बने छेदों (कैविटी) में छिपाकर लाने की कोशिश कर रहा था। बीएसएफ, दक्षिण बंगाल सीमांत के जन संपर्क अधिकारी एके आर्य, डीआईजी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 4.15 बजे आईसीपी पेट्रापोल पर जवानों ने वाहन चेकिंग के दौरान बेनापोल (बांग्लादेश) में निर्यात का माल छोड़कर वापस भारत लौट रहे एक ट्रक को तलाशी के लिए रोका। तलाशी में ट्रक में बने कुछ चुनिंदा छेदों से पारदर्शी टेप से लिपटे और कपड़े में बंधे 21 सोने के बिस्कुट बरामद किए। जवानों ने सोने के बिस्कुटों तथा ट्रक को जब्त कर लिया तथा ट्रक चालक से पूछताछ की। पकड़े गए ट्रक चालक की पहचान उत्तर 24 परगना जिला के सम्राट बिस्वास के रूप में हुई है। इसी बीच, बीएसएफ जवानों को उसी ट्रक में सोने के और भी बिस्कुट छुपे होने की पुख्ता खबर मिली। कंपनी कमांडर ने तुरंत एक सिविल मैकेनिक को बुलाकर ट्रक के दूसरे हिस्से में बने कुछ और चुनिंदा छेदों (कैविटी) को खुलवाया। कैविटी को खोलने पर उसमें 24 सोने के बिस्कुट और मिले जोकि टेप से लपेटे हुए थे। इस प्रकार ट्रक से कुल 45 सोने के बिस्कुटों की जब्ती हुई। 45 सोने के बिस्कुटों और जब्त ट्रक की अनुमानित कीमत 3,12,44,424 रुपए आंकी गई। पूछताछ में सम्राट बिस्वास ने बताया कि वह उत्तर 24 परगना का रहने वाला है। वह नियमित रूप से निर्यात का सामान लेकर बांग्लादेश जाता है। 21 अगस्त को वह बांग्लादेश गया था। 25 अगस्त को जब वह वापस भारत आ रहा था। उसी समय बांग्लादेश पार्किंग एरिया में जशोर जिले के बेनापोल के सुमन मंडल ने उससे संपर्क किया और 45 सोने के बिस्कुट सौंपे।

भाकियू तोमर के पूर्व जिला उपाध्यक्ष की गोली मारकर हत्या, गांव में दहशत

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव मुझेडा में शनिवार तड़के घर में सो रहे भट्टा व्यवसायी भाकियू तोमर के पूर्व जिलाध्यक्ष मेहराजुदीन (45) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गांव में घटना से दहशत है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। मूल रूप से बघरा के रहने वाले मेहराजुदीन (45) पुत्र सरफराज पिछले करीब तीन वर्ष से मीरापुर के गांव मुझेड़ा में रह रहा था। उन्होंने बलीपुरा में ठेके पर लेकर ईंट भट्टा चलाया हुआ था। शुक्रवार की रात मेहराजुदीन व अपनी पत्नी के साथ बरामदे में सोए थे। तीनों बच्चे कमरे में सो रहे थे। शनिवार तड़के लगभग तीन बजे घर में घुसे व्यक्ति ने मेहराजुदीन को गोली मार दी जिससे मेहराजुदीन घायल हो गए। तब उनके परिजन जाग गए और शोर मचाया। इस बीच हमलावर फरार हो गया। पडोसियों ने सूचना पुलिस को दी। डायल 112 पुलिस टीम घायल को जानसठ अस्पताल लेकर पहुंची। वहां से घायल को मेरठ रेफर कर दिया। मेरठ में उपचार के दौरान मेहराजुदीन की मौत हो गई। मीरापुर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मेहराजुदीन के घर के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। पुलिस को अभी कोई तहरीर नही दी गई। एसपी देहात अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। भाकियू तोमर के जिलाध्यक्ष अखिलेश चौधरी ने बताया कि मेहराजुदीन उनके संगठन में पूर्व में जिला उपाध्यक्ष थे। मृतक के परिवार में पत्नी शबाना, पुत्री जोया(15) व दरख्शा (5) और पुत्र लविश (10) है।

श्रीनगर में बेटे राहुल से मिलने पहुंचीं सोनिया गांधी, प्रियंका और वाड्रा भी आ सकते हैं झीलों के शहर

श्रीनगर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तीन दिन के निजी दौरे पर शुक्रवार को श्रीनगर पहुंच गए हैं। आज सोनिया गांधी बेटे राहुल से श्रीनगर में मिलने पहुंची। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने इस बात की पुष्टि की है कि शनिवार को सोनिया राहुल गांधी से मिलने पहुंची हैं। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को श्रीनगर में निगीन झील में नाव की सवारी करते हुए देखा गया। राहुल की बहन प्रियंका और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा भी यहां आ सकते हैं। कांग्रेस पार्टी की तरफ से इस श्रीनगर दौरे को निजी दौरा बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस दौरे के दौरान दोनों शीर्ष पार्टी नेता किसी भी पार्टी बैठक में शामिल नहीं होंगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी बीते कई दिनों से लद्दाख दौरे पर थे। लेह-लद्दाख में राहुल कई जगहों पर गये, लोगों से मिले और इस दौरान उन्होंने कई सियासी बयान भी दिये। कल ही राहुल ने करगिल में एक जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि चीन पर केंद्र सरकार पूरा सच नहीं बता रही है। लद्दाख एक रणनीतिक जगह है। चीन ने हजारों किलोमीटर जमीन भारत से छीनी है। दुख की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष की बैठक में कहा था कि चीन ने एक इंच भी जमीन नहीं छिनी। प्रधानमंत्री की ये बात बिल्कुल झूठ है। लद्दाख का हर व्यक्ति इस बात को जानता है कि लद्दाख जमीन की चीन ने ली है।

प्रधानमंत्री सच नहीं बोल रहे हैं। लद्दाख दौरे के अंतिम दिन कारगिल में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ये बातें कहीं। राहुल गांधी ने कहा कि सीमा पर जब भी युद्ध हुआ तो लद्दाख के लोगों ने पूरी बहादुरी के साथ इसका सामना किया है। एक बार नहीं अनेक बार लद्दाख ने अपनी बहादुरी का परिचय दिया है। इसके लिए वे दिल से लद्दाख वासियों का धन्यवाद करते हैं। वह लद्दाख दौरे के दौरान के चारों ओर घुमे हैं। ये सबसे सुंदर जगहों में से एक है। लद्दाख के लोग दिल से बात करते हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा, 'मैं लद्दाख के कोने-कोने में गया। लोगों से बात की। दूसरे नेता (पीएम नरेंद्र मोदी) हैं वो अपने मन की बात करते हैं। मैंने सोचा कि मैं आपके (लद्दाखवासी के) मन की बात सुनूं। राहुल ने कहा कि उन्होंने लद्दाख के लोगों की समस्याओं और उनके असल मुद्दों को समझने की कोशिश की। लद्दाख के लोगों का कहना है कि उनकी आवाज दबाई जा रही है। लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश तो बनाया गया, लेकिन जो अधिकार के वादे किए गए उन्हें पूरा नहीं किया गया। लद्दाख के कोने-कोने में किसी भी युवा से बात की जाए तो बताएगा लद्दाख बेरोजगारी का एपीसेंटर है। यहां फोन नेटवर्क की दिक्कत को भी लोगों ने प्रमुखता से उठाया। साथ ही लद्दाख में हवाई अड्डा तो बनाया दिया गया, लेकिन हवाई जहाज यहां पर नहीं आते हैं। इन मुद्दों में कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है।

संघ कार्यकर्ता ने 4 जिंदगियों को बचाया, पत्नी-बहनोई को खोया; सीतापुर के 2 लोगों की मौत

सीतापुर। पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस में शनिवार की सुबह आग लगने से जिले के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए। झुलसे लोगों का मदुरै के राजकीय राजाजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों के शव को लाने के लिए परिवारीजन रवाना हो गए हैं। कोच को भसीन टूर एंड ट्रैवेल्स की ओर से आइआरसीटीसी के माध्यम से बुक कराया गया था, जिसमें ट्रैवेल्स के संचालक हरीश कुमार भसीन भी सवार थे। जिले से 15 लोग 17 अगस्त को रामेश्वरम की यात्रा के लिए रवाना हुए थे। यह सभी लखनऊ में मदुरै एक्सप्रेस के निजी पार्टी कोच में सवार हुए थे। इसमें आदर्शनगर सेक्टर एक के शिव प्रताप सिंह चौहान, मिथिलेश कुमारी, शत्रुदमन सिंह, सुशीला सिंह, नीरज कुमार मिश्र, सरोजनी मिश्रा, अशोक कुमार प्रजापति, अलका प्रजापति, शास्त्रीनगर की रजत रेखा त्रिपाठी, आनंद प्रकाश त्रिपाठी व उनका नाती श्वेतार्क शुक्ल, रोटी गोदाम के धीरज गुप्ता, प्रेम नगर के हरीश कुमार भसीन, हार्दिक साहनी के अलावा लखीमपुर की शैल सिंह शामिल थीं। शनिवार की सुबह करीब पांच बजे चाय बनाते समय सिलिंडर फटने हुए हादसे में आदर्शनगर के मिथिलेश कुमारी पत्नी शिव प्रताप सिंह व शत्रुदमन सिंह की मौत हो गई, जबकि अशोक प्रजापति, उनकी पत्नी अलका, नीरज मिश्र व उनकी पत्नी

सरोजनी झुलस गईं। अन्य यात्री भी आंशिक रूप से झुलसे हैं। हादसे के बाद ट्रेन में भगदड़ मच गई। कोच के दरवाजे की चाबी न मिलने पर यात्री उसे व खिड़की तोड़कर जैसे तैसे बाहर निकले। स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता शिव प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने चार लोगों को बाहर निकाला, लेकिन अपनी पत्नी मिथिलेश व बहनोई शत्रु दमन सिंह को नहीं निकाल सके।

संपादकीय

विपक्ष के ऊपर आरोप भाजपा की सफलता?

भारतीय जनता पार्टी, केंद्र की सत्ता में आरोपों के बल पर स्थापित हुई थी। केग की रिपोर्ट को आधार बनाकर भारतीय जनता पार्टी ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को घेरा, और भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी पार्टी निरूपित कर दिया। यह अलग बात है, कि जो आरोप कांग्रेस पर लगाए गए थे। उसमें कोई भी आरोप साबित नहीं हुआ। 2ॠ घोटाले के मामले में न्यायालय ने क्लीन चिट दे दी। बोफर्स के मामले में 35 साल पहले आरोप लगाया गया था। 35 साल से बोफर्स आरोपों की सूची में बना रहा। करोड़ों रुपए जांच के नाम पर खर्च किए गए। अधिकारियों ने विदेश तक की यात्रा की। इस बीच अटल बिहारी वाजपेई की भी सरकार आई और पिछले 9 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। जो भी घपले और घोटाले के आरोप लगाए गए, वह न्यायालय में टिक नहीं पाए। पिछले एक दशक में भाजपा ने आरोपों के त्रिशूल, परिवार बाद, भ्रष्टाचार और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण को लेकर, कांग्रेस और विपक्ष को निशाने पर बनाए रखा। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह नारा कि अच्छे दिन आएंगे, 60 माह का समय दो, 60 साल में जो कांग्रेस की सरकार नहीं कर पाई, वह हम 60 महीने में करके दिखा देंगे। डायन महंगाई खत्म हो जाएगी, काला धन वापिस आ जाएगा। ऐसे कई बड़े-बड़े वादे लोगों से किए थे। जिसमें लोग आकर्षित हुए, मोदी के पक्ष में एक हवा चलना शुरू हुई। नरेन्द्र मोदी की चमत्कारी छबि बनी। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें अप्रत्याशित सफलता मिली। लगभग 35 साल बाद केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे ही सच मान लिया है, कि विपक्ष पर आरोप लगाओ। उन्हें मुकदमों में फंसा दो। गांधी परिवार को घेरने के लिए सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, वाड्रा और राहुल गांधी को आरोपों के माध्यम से उनका राजनैतिक वजूद खत्म करने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। अभी भी भारतीय जनता पार्टी इसी रास्ते पर चल रही है। जिसके कारण अब यह कहा जाने लगा है, कि आरोपों के बल पर कब तक राजनीति की जा सकती है। 2014 में भारतीय जनता पार्टी ने जो वायदे किए थे। गुजरात मॉडल के सुशासन का जो सपना दिखाया था। महंगाई खत्म करने की बात कही गई थी। 2 करोड लोगों को हर साल रोजगार देने का वादा किया गया था। सत्ता के 9 वर्ष के बाद भी यह सारे वादे जुमले ही साबित हो रहे हैं। इससे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि और लोकप्रियता पर विपरीत असर पड़ रहा है। बेरोजगारी, महंगाई से आम आदमी त्रस्त है। पिछले 5 वर्षों में लगातार टैक्स बढ़ाया जा रहा है। जीएसटी के माध्यम से अब गरीब से गरीब व्यक्ति से भी टैक्स वसूल किया जा रहा है। आटा, गेहूं, दाल, चावल, दूध जैसी वस्तुओं पर गरीबों को भी टैक्स देना पड़ रहा है। सेकड़ों नये टैक्स लागू किए गए हैं। आम आदमी अपनी दैनिक जरुरतों को पूरा नहीं कर पा रहा है। गरीब आदमी और गरीब होता जा रहा है। अर्थव्यवस्था का असर केवल बड़े आदमियों पर देखने को मिल रहा है। कुल मिलाकर आम आदमी मंदिर, मस्जिद, महंगाई, बेरोजगारी, हेट स्पीच इत्यादि से हैरान और परेशान है। आम आदमी की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। आय कम हो रही है, खर्च बढ़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार और भाजपा के नेता विपक्ष को भ्रष्टाचार के आरोप में घेरकर या उन्हें जेल भेज कर यह मानकर चल रहे हैं, कि वह 2024 का लोकसभा चुनाव आरोपों के बल पर जीत लेंगे। यदि भाजपा ऐसा सोच रही है, तो बहुत गलत सोच रही है। राहुल गांधी को पिछले 9 सालों में पप्पू साबित करने का कोई भी मौका भाजपा ने नहीं छोड़ा था। लेकिन मरता क्या ना करता की तर्ज पर राहुल गांधी ने अपने व्यवहार और भारत जोड़ो यात्रा से अपनी एक नई छवि बना ली। आज वह प्रधानमंत्री मोदी के समानांतर खड़े होने की स्थिति में आ रहे हैं। भाजपा के तरकश में जितने तीर थे,वह पिछले 10 वर्षों में छोड़े जा चुके हैं। भाजपा अब कोई नया तीर लेकर नहीं आ रही है। वहीं विपक्ष ने भाजपा के सभी तरकश के तीर के तोड़ निकालकर चुनाव मैदान में बराबरी के साथ खड़ी हो रही है। ईडी सीबीआई और जांच एजेंसियों ने भी अति कर दी है। चुनाव आयोग और यहां तक की न्यायपालिका की भूमिका को लेकर अब आम जनों के बीच विश्वसनीयता घट रही है।

जाना जन दरबार !

हो रहा प्रयास अब ।
कौन किस पर भारी ?
अपने अपने ढ़ंग से ।
चल रही तैयारी ।।
आ रहा वो समय ।
जाना जन दरबार ।।
जी जान से हैं जुटे ।
दे रहे हैं धार ।।
लांछन और आरोप की ।
बह रही बयार ।।
थोड़ा थोड़ा शुरू हुआ ।
देश पर उपकार ।।
बुद्धिजीवी फ्रंट पर ।
फर्ज है निभाना ।।
कदमताल अनवरत ।
बज रहा भी गाना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

कांग्रेस की नई कार्यसमिति में शामिल नामों में पार्टी को फिर से चुनाव जिताने का माद्दा है

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के दस महीने बाद कांग्रेस कार्यसमिति (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) की घोषणा कर दी है। नई कार्य समिति में कल 39 सदस्य बनाए गए हैं। वहीं 32 लोगों को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा 13 लोगों को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। जिनमें कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवादल के प्रमुखों को भी शामिल किया गया है। इस तरह कांग्रेस वर्किंग कमेटी से कुल 84 नेताओं को जोड़ा गया है। कार्य समिति में जहां वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो दी गई है वहीं बड़ी संख्या में नए लोगों को भी शामिल किया गया है। आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कार्य समिति के माध्यम से सभी को साधने का प्रयास किया गया है। कार्यसमिति में सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, एके एंथोनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शीद, प्रियंका गांधी वाड्रा, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, अजय माकन, जयराम रमेश, भंवर जितेंद्र सिंह और तारिक अनवर जैसे पुराने लोगों को जगह दी गई है। वहीं सचिन पायलट, दीपक बावरिया, जगदीश ठाकोर, गुलाम अहमद मीर, अविनाश पांडे, दीपादास मुंशी, गौरव गोगोई, कमलेश्वर पटेल, सैयद नासिर हुसैन, महेंद्रजीत सिंह मालवीय जैसे नए लोगों को भी शामिल किया गया है।

कार्य समिति में कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक, कुमारी शैलजा, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रमुख दलित चेहरे के रूप में शामिल किया गया है। वहीं सलमान खुर्शीद, तारिक अनवर, गुलाम अहमद मीर, सैयद नासिर हुसैन मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्य समिति में श्रीमती सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, कुमारी शैलजा, दीपा दास मुंशी को बैतोर महिला सदस्य नई कार्यसमिति में शामिल किया गया है। वहीं प्रतिभा सिंह, मीनाक्षी नटराजन, फूलों देवी नेताम और रजनी पटेल को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, परिणीति शिंदे और अलका लांबा कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल हैं। महिला कांग्रेस की प्रमुख नेट्टा डिसूजा पदेन सदस्य के रूप में शामिल की गई हैं। इस तरह 84 सदस्यों की कार्यकारिणी में 15 महिला नेताओं को स्थान मिला है।

कांग्रेस की नवगठित वर्किंग कमेटी में आनंद शर्मा, शशि थरूर, मनीष तिवारी समेत जी-23 के कई ऐसे नेताओं को भी जगह मिली है जो कांग्रेस आलाकमान के कई निर्णयों से नाराज चल रहे थे। इससे पार्टी कार्यकताओं में यह संदेश गया है कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही है। यदि कोई पार्टी नेता पार्टी के किसी निर्णय से नाराज है तो भी पार्टी की मुख्य धारा में शामिल रहेगा। कांग्रेस कार्यसमिति से पार्टी के चारों मुख्यमंत्रियों को बाहर रखा गया है। जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं और पिछले वर्ष उनका नाम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए तय हो गया था। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्रियों को कार्यसमिति में शामिल नहीं किया गया है।

कांग्रेस ने उदयपुर में संपन्न हुए अपने चिंतन शिविर और रायपुर के महाधिवेशन में तय किया था कि पार्टी संगठन में सभी स्तर के पदों में से आधे पदों पर 50 साल से कम उम्र के नेताओं को पदाधिकारी बनाया जायेगा। मगर मौजूदा कार्यसमिति में वरिष्ठ नेताओं की संख्या अधिक है। फिर भी काफी संख्या में नए लोगों को पहली बार कार्य समिति में शामिल कर पार्टी ने नया नेतृत्व आगे लाने का एक सफल

प्रयास किया है। नवगठित कार्यसमिति में लोकसभा से 9 व राज्यसभा से 14 सांसदों को भी शामिल किया गया है। लोकसभा से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, शशि थरूर व गौरव गोगोई को कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाया गया है। प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी को स्थाई आमंत्रित सदस्य व के सुरेश व मणिकम टैगोर को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। वहीं राज्यसभा से पार्टी अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, अभिषेक मनु सिंघवी, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, केसी वेणुगोपाल को कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। दीपेंद्र सिंह हुड्डा, फूलों देवी नेताम, रजनी पटेल स्थाई आमंत्रित तथा राजीव शुक्ला विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।

कार्य समिति में शामिल 50 साल से कम उम्र के नेताओं में सचिन पायलट 46 वर्ष, गौरव गोगोई 43 वर्ष और कमलेश्वर पटेल 49 साल के हैं। स्थाई आमंत्रित सदस्यों में मानिकम टैगोर 48 वर्ष, दीपेंद्र हुड्डा 45 वर्ष, मीनाक्षी नटराजन 50 वर्ष और कन्हैया कुमार 36 वर्ष के हैं। वहीं विशेष आमंत्रित सदस्यों में महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर 49 वर्ष, पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत 46 वर्ष, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की विधायक पुत्री परिणीति शिंदे 42 वर्ष, दिल्ली की पूर्व विधायक अलका लांबा 47 वर्ष, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीबी 41 वर्ष, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा 48 वर्ष और एनएसयूआई के अध्यक्ष नीरज कुंदन 33 वर्ष के हैं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान से सचिन पायलट को राहुल गांधी की निकटता के चलते कार्य समिति में शामिल किया गया है। आने वाले समय में पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान में सचिन पायलट बड़ी भूमिका निभाएंगे। कुछ माह पूर्व कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत से सरकार बनाकर अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास कर दिया था। कर्नाटक व हिमाचल में भाजपा की सरकार चल रही थी। जिसे हराकर कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। इसी साल के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम व जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव से पहले इन प्रदेशों की विधानसभा चुनावों के नतीजे 2024 के लोकसभा चुनावों पर गहरा असर डालेंगे। कांग्रेस का प्रयास है कि लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान व छत्तीसगढ़ जहां उनकी पार्टी की सरकार है वहां फिर से अपनी सरकार बनाई जाए। मध्य प्रदेश में भाजपा ने दल बदल करवा कर कांग्रेस की सरकार गिरा दी थी। वहां फिर से कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाकर पार्टी को मजबूत किया जाए। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में भी अपने खोए हुए जनाधार को फिर से हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रही है। विपक्षी दलों के कई बड़े नेता पिछले दिनों वहां कांग्रेस की सदस्यता ले चुके हैं।

कांग्रेस पार्टी का पूरा ध्यान अगले लोकसभा चुनावों पर केंद्रित है। कांग्रेस के बड़े नेता चाहते हैं कि हाल ही में बनाए गए इंडिया गठबंधन को एकजुट कर अगला लोकसभा चुनाव लड़ा जाए ताकि केंद्र से भाजपा को सत्ता को हटाया जा सके। कांग्रेस आलाकमान इंडिया गठबंधन में शामिल उन सभी दलों से अपने राजनीतिक संबंध सामान्य करने का प्रयास कर रहा है जिससे आगे चुनाव में आपसी सहमति से सीटों का बंटवारा कर भाजपा के खिलाफ एक सीट पर एक ही प्रत्याशी उतारा जा सके। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व का पूरा जोर विपक्षी एकता को सुदृढ़ करने पर लगा हुआ है। जिसका लाभ उन्हें आने वाले चुनाव में मिलने की संभावना नजर आ रही है।

उत्तर प्रदेश की बदल रही है तस्वीर... लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

उमेश चतुर्वेदी

इसे बिडंबना नहीं तो क्या कहेंगे कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गंगा-यमुना और घाघरा जैसी सदानीरा नदियों का उपजाऊ मैदानों के बावजूद उत्तर प्रदेश की ख्याति बीमारू यानी रोगी राज्य के रूप में रही। उत्तर प्रदेश राजनीतिक रूप से बेहद सचेत लोगों का भी राज्य रहा है। माना जाता है कि जिस इलाके की जनता राजनीतिक रूप से ज्यादा सचेत होती है, वहां विकास की धारा बहती रहती है। माना तो यह भी जाता है कि प्रभावी राजनीति जिस इलाके का प्रतिनिधित्व करती है, उस इलाके में विकास की गति अपने आप तेज हो जाती है। उत्तर प्रदेश प्रभावी राजनीति का भी केंद्र रहा है। देश को उसने आठ प्रधानमंत्री दिए, जिनमें से छह की जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश की माटी रही है, इसके बावजूद उत्तर प्रदेश अपनी अराजक संस्कृति और भ्रष्टाचारी शासन व्यवस्था के लिए ज्यादा जाना जाता रहा है। लेकिन अब इसी उत्तर प्रदेश की छवि बदलने लगी है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच को दिया जा सकता है। जिसकी वजह से ना सिर्फ यहां के अराजक माहौल में बदलाव आने लगा है, बल्कि इस राज्य को अब उद्योग और कारोबार के लिए मुफीद माना जाने लगा है। अस्सी के दशक में जब उत्तर प्रदेश के ही संसदीय नुमाइंदे राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब अर्थशास्त्री आशीष बोस ने बीमारू राज्य की परिकल्पना पेश की थी। बीमार यानी रूग्ण से प्रेरित यह बीमारू शब्द बुनियादी रूप से चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहा था। इन्हीं में से तीन राज्य अलग होकर अब सात राज्य हो गए हैं। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड के अपने मूल राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार से अलग होने के बावजूद जितनी तेज तरक्की की उम्मीद की जा रही थी, वैसी नजर नहीं आ रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश इनमें से अलग राह पर चलता दिख रहा है। निश्चित तौर पर इसके लिए योगी आदित्यनाथ की कड़क और कुशल शासन व्यवस्था को श्रेय दिया जा सकता है।

किसी भी राज्य में कारोबार और उद्योग कब पनपता है, जब वहां की कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होती है, वहां बुनियादी ढांचा मसलन सड़क, बिजली और पानी की सहूलियत होती है। इसके साथ ही मेडिकल यानी चिकित्सा सुविधा भी बेहतर होनी चाहिए। कुछ साल पहले तक उत्तर प्रदेश में बिजली छोड़ सारे संसाधन थे, लेकिन कानून-व्यवस्था बेहद लचर थी। अराजक व्यक्तियों और समूहों के इशारे पर ही जैसे राज्य की कानून-व्यवस्था चलती थी। राजनीति एक तरह से उनकी पिछलग्गू थी। बिजली राज्य की राजधानी लखनऊ और कुछ-एक वीआईपी माने जाने वाले शहरों में ही होती थी। बाकी समूचा राज्य बिजली की आंख-

मिचौनी देखता था। सरकारी दफ्तरों में बाबुओं की मनमानी चलती थी। लेकिन साल 2017 में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले कानून-व्यवस्था की हालत की तरफ ध्यान दिया। ऐसा नहीं कि योगी के प्रयासों से कानून- व्यवस्था के मामले में उत्तर प्रदेश स्वर्ग बन गया है। लेकिन यह भी सच है कि कानून का भय अब अराजक समूहों में आया है। सड़कें दुरुस्त हुई हैं। हालांकि छोटे इलाकों और गांवों को जोड़ने वाली सड़कों पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बिजली की हालत भी ठीक हुई है। अब समूचे प्रदेश में बिजली है। इसका असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा है।

अब शेयर बाजार में उत्तर प्रदेश के निवेशक छा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीमैट अकाउंट का आंकड़ा करीब 12 करोड़ हो चुका है। 23 करोड़ की जनसंख्या वाले राज्य में 12 करोड़ खातों के जरिए शेयर बाजारों में दस्तक देना मामूली बदलाव नहीं है। बीते अप्रैल तक के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इक्विटी ट्रेंड की वजह से 1.26 लाख नए निवेश जुड़े हैं। दिलचस्प यह है कि यह आंकड़ा शेयर कारोबारियों की राजधानी मुंबई वाले महाराष्ट्र राज्य के मुकाबले ज्यादा हो चुका है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो बीते अप्रैल में महाराष्ट्र में जहां 1.18 लाख नए निवेशक ही जुड़े, वहीं उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा करीब 1.26 लाख रहा। राज्य के बदलते बुनियादी ढांचे और बेहतर होती कानून-व्यवस्था का ही असर कहा जाएगा कि बीती फरवरी में हुए निवेशक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश को 36 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

कभी इलाहाबाद, आगरा, काशी हिंदू विश्वविद्यालय समेत राज्य के तमाम विश्वविद्यालय अराजकता के पर्याय माने जाते थे। हालांकि इनका गौरवशाली अतीत रहा है। भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में इन विश्वविद्यालयों का सार्थक हस्तक्षेप रहा है। लेकिन राजनीतिक संस्कृति बदलने से बाद के दिनों में उत्तर प्रदेश शैक्षिक रूप से पिछड़ता जा रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश का शैक्षिक परिदृश्य बदलने लगा है। स्कूली स्तर पर भी पढ़ाई की रेल पटरी पर आने लगी है। इसका असर इस साल की नीट की परीक्षाओं के नतीजे पर भी दिखा। इस बार इस परीक्षा में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के ही विद्यार्थी कामयाब हुए हैं, जिनकी संख्या करीब 1.39 लाख है, जबकि महाराष्ट्र के 1.31 लाख और राजस्थान के एक लाख से कुछ ही अधिक छात्र सफल रहे। योगी राज के छह सालों में राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में 60 लाख विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है।

उत्तर प्रदेश में पहले गिने-चुने मेडिकल कॉलेज ही थे। लेकिन योगी शासन में एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना की गई और वह अब साकार होती नजर आ रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, विशेषकर गोरखपुर के आसपास हर साल दिमागी बुखार से सैकड़ों बच्चों की हृदयद्रावक मौत होती थी। लेकिन योगी शासन में इस पर काबू पाने की कोशिशें तेज हुईं और अब स्थिति बेहद काबू में है। आज हालात यह है कि दिमागी बुखार पर 98 फीसदी तक काबू करके बहुमूल्य जीवन बचाने में सफलता हासिल की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश गंगा-यमुना और घाघरा जैसी सदानीरा नदियों का मैदान है। ये नदियां राज्य की जीवन रेखा ही नहीं, खेती-किसानी का सांस्कृतिक जरिया भी हैं। जनसंख्या घनत्व ज्यादा और प्रति व्यक्ति जोत कम होने के बावजूद आज स्थिति यह है कि राज्य देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन 20 फीसद अकेले कर रहा है। इसकी बड़ी वजह है, राज्य में कृषि उपज के मूल्यों में डेढ़ गुना की बढ़ोतरी। 2017 में योगी सरकार के शासन में आने के बाद एमएसपी के तहत किसानों की कृषि लागत का डेढ़ गुना रकम दिया जा रहा है।

प्रभावी सीखने की आदतों के लिए मार्गदर्शिका

विजय गर्ग

प्रभावी संचार सफल टीम वर्क और नेतृत्व की नींव है जो आत्मविश्वास पैदा करता है और व्यक्ति को अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में सक्षम बनाता है कक्षा के संरचित वातावरण से कक्षों की गतिशील दुनिया में परिवर्तन एक छात्र के जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसे ही औपचारिक शिक्षा का अध्याय बंद होता है और पेशेवर क्षेत्र का दरवाजा खुलता है, युवा मन को एक रोमांचक लेकिन चुनौतीपूर्ण यात्रा का सामना करना पड़ता है। उसी यात्रा से गुजरने के बाद, मैं शुरूआत से ही प्रभावी सीखने की आदतें विकसित करने के महत्व पर जोर दे सकता हूँ। इसमें इस संक्रमण के दौरान परिवर्तनकारी क्षमता शामिल है और इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान सफलता के लिए आधार तैयार करता है। पारंपरिक शिक्षा मॉडल प्रचुर मात्रा में ज्ञान प्रदान करता है, संज्ञानात्मक क्षमताओं को निखारता है और छात्रों को अकादमिक रूप से तैयार करता है। जैसे-जैसे छात्र क्यूबिकल्स, बोर्डरूम और सह-कार्यशील स्थानों पर जाते हैं, उन्हें नई चुनौतियों, अवसरों और जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ता है। आधुनिक कार्यस्थल के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए, छात्रों को सीखने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जिसमें बौद्धिक कौशल और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने वाले सॉफ्ट कौशल की एक श्रृंखला शामिल हो। आजीवन शिक्षार्थी बनें: सीखना स्नातक स्तर की पढ़ाई के साथ समाप्त नहीं होता है; यह एक आजीवन यात्रा है. इस निरंतर विकसित हो रही दुनिया में, प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए निरंतर सीखना महत्वपूर्ण है। संगठन उन कर्मचारियों को महत्व देते हैं जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। निरंतर सीखने में उद्योग के रुझान, प्रौद्योगिकी प्रगति और बाजार बदलाव के साथ अद्यतन रहना शामिल है। छात्रों को ब्लॉग, उद्योग प्रकाशनों और पेशेवर मंचों के माध्यम से सूचित रहते हुए, अपने वांछित क्षेत्रों के विकसित परिदृश्य पर नजर रखनी चाहिए। मास्टर टाइम मैनेजमेंट: समय प्रबंधन सफलता की आधारशिला है। असाइनमेंट के लिए समय सीमा को पूरा करने से लेकर कार्यस्थल पर परियोजनाओं को पूरा करने तक, प्रभावी समय प्रबंधन महत्वपूर्ण है। समय को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करना सीखने में समय प्रबंधन में अपनी ताकत और कमजोरियों को समझना शामिल है। छात्रों के लिए, विभिन्न गतिविधियों पर बिताए गए समय पर नजर रखना उन क्षेत्रों की पहचान करने में फायदेमंद होगा जहां वे सुधार कर सकते हैं। स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके और उन्हें क्रियान्वित कार्यों में बांटकर शुरूआत करें। आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाएं: कार्यस्थल में आलोचनात्मक ढंग से सोचने

की क्षमता को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच में जानकारी का विश्लेषण करना, धारणाओं पर सवाल उठाना और अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेना शामिल है। आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए, ऐसे पाठ्यक्रमों की तलाश करनी चाहिए जो खुली चर्चा और जटिल मुद्दों की खोज की अनुमति दें। केस स्टडीज, बहस और अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने से आलोचनात्मक सोच क्षमताओं में वृद्धि होती है। अनुकूलनशीलता और लचीलापन: आज के तेजी से विकसित हो रहे नौकरी बाजार में, अनुकूलनशीलता आवश्यक है। अनुकूलन क्षमता विकसित करने के लिए, छात्र अपने आराम क्षेत्र से बाहर के अनुभवों की तलाश कर सकते हैं। इंटर्नशिप, स्वयंसेवी कार्य, या विदेश में अध्ययन में संलग्न होने से व्यक्तियों को विविध स्थितियों और संस्कृतियों का पता चलता है, जिससे अनुकूलनशीलता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, असफलताओं से सीखने और विकास के अवसर के रूप में बदलाव को अपनाने की इच्छा छात्र जीवन से कॉर्पोरेट जगत तक की यात्रा को और अधिक फायदेमंद बनाएगी। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पोषण करें: भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईआई) स्वयं और दूसरों में भावनाओं को पहचानना और प्रबंधित करना है। कार्यस्थल में, ईआई संबंध बनाने, संघर्षों को सुलझाने और सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर महारत हासिल करना आपको स्थापित कर देगाएक प्रभावी टीम खिलाड़ी और नेता के रूप में अलग। छात्रों को आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और मजबूत पारस्परिक कौशल विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के लिए, छात्र सक्रिय रूप से उन गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं जो आत्म-जागरूकता और सहानुभूति को बढ़ाती हैं। माइंडफुलनेस प्रथाओं, प्रतिबिंब अभ्यासों में संलग्न होना और साथियों से प्रतिक्रिया मांगना व्यक्तिगत विकास और भावनात्मक बुद्धिमत्ता में योगदान कर सकता है। सहयोग और नेटवर्किंग को अपनाएं: आधुनिक कार्यस्थल में सहयोग एक आवश्यक कौशल है। नेटवर्किंग नौकरी के अवसरों, मार्गदर्शन और विभिन्न उद्योगों में अंतर्दृष्टि के द्वार खोल सकती है। एक छात्र के रूप में, अपनी सहयोगी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए समूह परियोजनाओं, टीम-आधारित असाइनमेंट और पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें। इसके अलावा, नेटवर्किंग इवेंट, करियर मेले और उद्योग सम्मेलन सार्थक संबंध बनाने में मदद कर सकते हैं। संचार कौशल को परिष्कृत करें: प्रभावी संचार सफल टीम वर्क और नेतृत्व की नींव है। छात्र सार्वजनिक भाषण, लेखन और प्रभावी संचार पर पाठ्यक्रम या कार्यशालाएँ तलाश सकते हैं। प्रस्तुतियों, सार्वजनिक भाषण और लेखन कार्यों में नियमित रूप से शामिल होकर अपने लिखित और मौखिक संचार कौशल को निखारें। कॉर्पोरेट जगत में, विचारों को संप्रेषित करने, सहकर्मियों और ग्राहकों के साथ संबंध बनाने और प्रभावी टीम वर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए स्पष्टता और अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण है। वाद-विवाद क्लब, सार्वजनिक भाषण क्लब या पत्रकारिता जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न होने से संचार कौशल के व्यावहारिक अनुप्रयोग के अवसर मिल सकते हैं।

भाजपा कार्यकर्ता का राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय, परिवार अंतिम होता है : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।जखनिया स्थित आज तेतरा देवी महाविद्यालय मंदरा में भारतीय जनता पार्टी जखनिया मंडल प्रथम की बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुवे जखनिया विधानसभा संयोजक मुराहु राजभर ने कहा कि पूरे प्रदेश में वोटर चेतना महा अभियान चलाया जा रहा है इस विशेष अभियान के तहत अपने बूथों पर जिन लोगों का नाम छूट गया है, उनको जोड़ने का काम मतदाता सूची में किया जा रहा है और जो लोग उस बूथ के निवासी नहीं है या कहीं अन्यत्र जगह चले गए हैं तो उनके नाम को भी निकला जाएगा। इस विशेष अभियान में पार्टी कार्यकताओं को विशेष रूप से अपने नए वोटर और जिनका नाम किन्हीं कारण से लिस्ट में नहीं आया है उनको पुनः जोड़ने का कार्य करना है, और हम पार्टी कार्यकताओं को 2024 के लिए अभी से कमर कस लेना है। बैठक को व्यापार प्रकोष्ठ जिला

अध्यक्ष प्रमोद वर्मा में संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का ही एकमात्र कार्यकर्ता ऐसा है जो वर्ष भर निरंतर कार्य करता रहता है। भाजपा कार्यकर्ता के लिए राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय और परिवार अंतिम होता है। आज इस सोच के कारण ही भाजपा शीर्ष पर पहुंची है। पार्टी कार्यकर्ताओ की देन है कि देश को यशस्वी नेतृत्व नरेंद्र मोदी के रूप में मिला है, जिन्होंने देश की तकदीर, तस्वीर बदलकर विश्व के अग्रणी पंक्ति में भारत को खड़ा कर दिया है। इसरो द्वारा चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग उसका साक्षात उदाहरण है, पूरा देश हर्ष में डूबा है, आज हर भारतीय का सीना चौड़ा और मस्तक गर्व से ऊंचा हुआ है। वर्मा ने पार्टी कार्यकताओं से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री के मन की बातों को हर बूथों पर कार्यकर्ता निश्चित रूप से सुने, और उसको सरल ऐप्स पर डाउनलोड करें और सीधे प्रधानमंत्री जी से जुड़कर देश के नई जानकारी से अवगत हो औ? विभिन्न क्षेत्र में हो रहे नए अविष्कारो से अवगत हो। साथ ही साथ 28 तारीख से शुरू होने वाले वोटर विशेष महाअभियान में अपने बूथ पर कोई भी मतदाता मतदाता सूची से वंचित न हो इसके लिए विशेष रूप से समय निकालकर उनको जोड़ने का प्रयास करें। हर कार्यकताओं को जन-जन को जगाना है 2024 में फिर से मोदी जी को लाना है, देश को सशक्त और शक्तिशाली बनाना है। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता दयाशंकर सिंह, पूर्व ग्राम प्रधान अशोक गुप्ता, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि झुंना सिंह, मंडल महामंत्री पीयूष सिंह, धर्मवीर राजभर, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह, नंदलाल प्रजापति, अरविंद चौहान, शशी पटेल, अजय विक्रम सिंह, मृदुला पांडेय, शैलू सिंह, उमाशंकर राजभर, पंकज सिंहा, रामाश्रय पांडेय, जमीदार सिंह सहित पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नहीं बदली आजाद निजमापुर मार्ग की तस्वीर

जौनपुर। शाहगंज विधानसभा सीट पर दशकों बाद विकास के नाम पर परिवर्तन तो हुआ लेकिन विकास की गति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। डबल इंजन की सरकार होने के बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। इस विधानसभा को देखा जाए तो विकास के नाम पर चुनाव जीतकर परिवर्तन करने वाले शाहगंज विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे जनता के प्रतिनिधि विकास के मुद्दे को लेकर हाशिए पर खड़े नजर आ रहे है। शाहगंज विधानसभा के सोंधी ब्लॉक क्षेत्र की ग्रामसभा अरंद, हाजी रफीपुर, उसरहटा, पाराकमाल, भरौली, साहवे, ढंढवाराकला, बद्दोपुर, निजमापुर, सिधाई, गोडीला, समेत आदि गांव में मुख्य मार्ग से गांव में जाने वाली सड़क अधिकतर खराब है। बरसात में सड़क पर चलना दुश्वार हो गया है। जर्जर सड़क, अघोषित बिजली कटौती से जनता में त्राहिमाम मचा हुआ है। लेकिन जनता की समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधि गम्भीर नहीदिख रहे हैं। नवम्बर माह में एक निजी कार्यक्रम में ढंढवाराकला गांव पहुँचे केरल के महामहिम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को ग्रामीणों ने आजाद से निजमापुर जाने वाली छः किलोमीटर जर्जर सड़क को बनवाने के लिए पत्रक सौंपा तो महामहिम ने मौके पर मौजूद क्षेत्रीय विधायक रमेश सिंह को समस्या से अवगत कराया। इस पर विधायक ने शीघ्र ही सड़क की मरम्मत का आश्वासन दिया। लेकिन दस माह बीत जाने के बाद भी उक्त सड़क की स्थिति में कोई परिवर्तन नही आया और समस्या जस की तस बनी हुई है। यह मार्ग आधा दर्जन गांव को जोड़ता है। यह सड़क इतनी खस्ताहाल है कि उस पर चलना मुश्किल हो गया है। जगह-जगह जल जमाव होने के कारण चार पहिया वाहनों का आवागमन बड़ी मुश्किल से होता है। लोगों में चर्चा है कि जिस विधानसभा की तस्वीर बदलने के लिए जनप्रतिनिधि को चुना गया। वह उसके विपरीत दिखाई दे रहे हैं। टूटी सड़कें, अघोषित बिजली कटौती, विधानसभा शाहगंज की पहचान बन गई है। लेकिन जनप्रतिनिधि के उदासीन रवैये से समस्याओं का दूर दूर तक समाधान होता दिखाई नही दे रहा है। अब जनता की समस्याओं का निस्तारण भगवान भरोसे है।

रक्षाबंधन पर जनता इंटर कॉलेज रतनपुर की अनूठी पहल, छात्राओं ने छात्राओं को राखी बांधकर अनोखे तरह से मनाया रक्षाबंधन

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत तहसील क्षेत्र की जनता इंटर कॉलेज रतनुपुर के परिसर में रक्षाबंधन पर से तीन दिन पहले अनोखे तरह से रक्षाबंधन का त्यौहार सामूहिक महोत्सव के रूप में मनाया गया। विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक रूप से विद्यालय की छात्राओं को राखी बांधकर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। शनिवार की दोपहर जनता इंटर कॉलेज रतनुपुर के परिसर में कॉलेज प्रबंधन व कॉलेज की प्रधानाचार्य रजनी द्विवेदी द्वारा सामूहिक रूप से रक्षाबंधन पर्व को महोत्सव की तरह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत

सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद शुरू हुई। कॉलेज की सैकड़ो छात्राओं ने एक दूसरे को राखी बांध कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में केराकत एसडीएम नेहा मिश्रा ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्जन करते हुए कहा कि रक्षाबंधन का पर्व किसी लिंग विशेष का त्यौहार नहीं है, यह त्यौहार आपसी भाईचारे प्रेम और एक दूसरे की सुरक्षा के लिए अस्वस्थ करने त्यौहार है। राखी भाई को बांधी जाय या बहन को बांधी जाए इसका उद्देश्य होता है कि हमें दूसरे के लिए समर्पित और सुरक्षा के लिए खड़े रहे। इस दौरान उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप लिंग भेद के भाव दे दूर रहते हुए और अपनी रुचि के हिसाब से पढ़ाई में मन लगाकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करे। इस दौरान कॉलेज की छात्राओं ने एसडीएम नेहा मिश्रा को भी राखी बांधकर अपनी सुरक्षा का आश्वासन मांगा। कॉलेज की प्रधानाचार्य रजनी द्विवेदी ने कहा कि छात्राओं से छात्राओं को राखी बंधवाकर महोत्सव मनाने के पीछे उनका उद्देश्य यह है छात्राओं को सकारात्मक विचार अपना कर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देगा। बेटियां आज किसी से कम नहीं है हर क्षेत्र में लड़कों से आगे हैं। गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती केवल उन्हें सही मार्गदर्शन देने की आवश्यकता होती है। हमेशा अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहे और अपने भविष्य का निर्धारण स्वयं करे। कार्यक्रम में बच्चों ने स्कूल के प्रांगण में पेंटिंग और रंगोली बनाकर, स्वच्छता और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश सिंह और अध्यक्षता मुरली पाल ने किया। इस दौरान सभी अध्यापकों सहित सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित।

खेतासराय की सड़कों पर 'यमराज' बनकर घूम रहे आवारा पशु, प्रशासन मौन

आवारा पशुओं के आतंक से लोग भयभीत, आखिर कौन लेगा सुधि?

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। सड़कों पर आवारा पशु 'यमराज' बनकर घूम रहे हैं. आलम यह है कि आए दिन कोई ना कोई इनका शिकार हो रहा है। पशुओं के हमले में कई लोग घायल हो चुके है। खेतासराय कस्बा और जमदहा में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या लोगों के लिए सिरदर्द और जानलेवा बन रहा है। मुख्य मार्ग हो या गली मोहल्ला सब जगह आवारा पशुओं का आतंक है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इन दिनों आवारा पशुओं की संख्या में काफी वृद्धि हो गई है. ऐसे में इन पशुओं का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि किसान रात- दिन अपने खेतों की रखवाली कर रहे हैं. लेकिन इसके बावजूद भी जानवर उनकी फसल को बर्बाद कर रहे हैं। आवारा पशुओं पर लगाम लगाने के लिए उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार सख्त है और हर सम्भव प्रयास का दावा कर रही है। लेकिन इसके बावजूद भी आवारा जानवरों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है. अब आलम यह हो गया है कि किसान इन पशुओं से परेशान हो गए हैं. क्योंकि ये आवारा जानवर फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। आवारा पशुओं के कारण किसानों की फसलें तो नष्ट हो ही रही है, वहीं आये दिन सड़क हादसों को अंजाम देने में भी ये पशु पीछे नहीं हैं। आवारा पशुओं से

सड़क हादसे होते रहते हैं वहीं कस्बा के मुख्य बाजार में आवारा पशु जगह-जगह बैठे रहते हैं तथा हटाने पर हमला कर देते हैं या फिर आपस में लड़कर राहगीरों एवं बाइक सवारों को घायल कर देते है।

बोले बीडीओ, अभी आवारा पशुओं को पकड़ना संभव नही- खेतासराय जौनपुर। विकास खण्ड क्षेत्र में आवारा पशुओं के आतंक के बाबत खण्ड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि पशुओं में डिजीज चल रही है, ऐसे में उन्हें पकड़ना सम्भव नही है। जब तक टीकारण न हो जाये। दस से पन्द्रह दिन बाद आवारा पशुओं को पकड़ कर नजदीक के आश्रयस्थलों में भेजा जाएगा। वही प्रभारी ईओ प्रदीप गिरी ने बताया कि शाहगंज और खेतासराय में आवारा पशुओं का पकड़ने का अभियान चल रहा है, कैटन कैचर की मदद से पशुओं को पकड़ कर ब्लॉक के सहयोग से शेल्टर में भेजा जा रहा है। वही ईओ की बात में कितनी सच्चाई है सड़क पर आवारा पशुओं की जमात दावे पर पोल खोल रही है।

नए मतदाताओं को हर हालत में जोड़ना है : दिनेश चौधरी

प्रखर केराकत जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा संचालित होटल चेतना महाअभियान की मंडल बरसठी के कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता केराकत विधानसभा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी सम्मिलित हो करके उपस्थित अपने कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों से नए मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ने के हेतु प्रशिक्षित किया,पहले मतदाता सूची में इनकी नाम को जांचना है बोगस नामों का फार्म भरना है एवं नए मतदाताओं को फॉर्म भर कर के मतदाता सूची में जोड़ना है। पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने कहा कि अगर हम लोग निर्वाचन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर यह कार्य सही तरीके से पूर्ण कर लेंगे तो एक साथ दो दो कार्य सिद्ध होते हुए लोगों से जनसंपर्क जन-जुड़ाव भी तेजी के साथ होगा। जनता के अंदर भारी उत्साह है,हम सबको उस उत्साह को मत में तब्दील करने की आवश्यकता है,आगामी लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पुनः भाजपा का कमल तेजी से साथ खिलेगा और सरकार प्रचंड बहुमत की बनेगी। उक्त

अवसर पर भाजपा मछलीशहर के जिला उपाध्यक्ष एवं इस अभियान के जिला संयोजक राकेश शुक्ला बरसठी मंडल के अध्यक्ष हरीशचंद्र मौर्य, मंडल के महामंत्री द्वय कमलेश सिंह,रतन श्रीवास्तव,मंडल मंत्री अवधेश शुक्ला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ और जिला प्रशासन ने भूकंप आपदा पर किया संयुक्त मॉक अभ्यास

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक के दिशा-निर्देशन में 11 एनडीआरएफ वाराणसी की टीम विभिन्न एजेंसियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने हेतु संयुक्त मॉक अभ्यास का आयोजन करती रहती है, उसी कड़ी में शनिवार को गाजीपुर जनपद में अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह के दिशा निर्देश में राम भवन सिंह यादव उप कमांडेंट के नेतृत्व मे एवं निरीक्षक आर. बी. गौतम एवम आपदा विशेषज्ञ , 35 सदस्यीय एनडीआरएफ टीम ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जिला गाजीपुर एवं अन्य सभी हितधारकों के साथ भूकंप आपदा पर संयुक्त मॉक अभ्यास आयोजित किया गया।

संयुक्त मॉक अभ्यास के दौरान भूकंप आपदा पर एक परिदृश्य को तैयार किया गया था, जिसमे सेन्ट मैरी कान्वेंट स्कूल तडबनवा गाजीपुर के भवन का एक हिस्सा भूकंप से क्षतिग्रस्त हो गया था एवं 10 विद्यार्थियों के स्कूल भवन के अंदर फसे होने का प्रदर्शन किया

गया। तदनुसार, स्कूल प्रधानाचार्य - सिस्टर जमिला द्वारा ई.ओ.सी. (इमर्जेंसी आपरेशन सेन्टर) को घटना के बारे में सूचित किया गया। जिसने एनडीआरएफ के नियंत्रण कक्ष और सभी संबंधित हितधारकों को आपात प्रतिक्रिया के लिए सूचित किया। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ टीम घटना स्थल पर पहुँच कर ऑपरेशन का बेस, कमांड पोस्ट, मेडिकल पोस्ट, कम्युनिकेशन पोस्ट स्थापित किए तथा स्थानीय प्रशासन से घटना की सम्पूर्ण जानकारी लेकर त्वरित कार्यवाही करते हुए तथा अपने विभिन्न प्रकार के रेस्क्यू इक्यूपमेन्टस का इस्तेमाल करते हुए राहत एवं बचाव ऑपरेशन शुरू कर दिया। बचाव दल द्वारा होरिजेन्टल अप्रोच बनाकर आर.सी.सी. की दीवाल, लोहे के दरवाजे, लकड़ी के दरवाजे तथा लोहे की खिड़की को काटकर संकीर्ण और तंग रास्ते से होकर, विभिन्न प्रकार के उपकरणों की मदद से बचावकर्मियों द्वारा जीवन रक्षक कौशल का प्रदर्शन करते हुये स्कूल भवन के अन्दर फंसे सभी पीड़ितों को सुरक्षित बाहर निकाला गाया। एनडीआरएफ टीम द्वारा सभी पीड़ितों को अस्पताल पूर्व उपचार देने के बाद स्वास्थय विभाग के एम्बुलेन्स से अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह पूरा मॉक अभ्यास इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम के दिशानिदेर्शों के अनुसार आयोजित किया गया था। मॉक अभ्यास का उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच में समन्वय बनाना, उपचारात्मक उपाय करना, संसाधनों की दक्षता का जांच करना एवं भूकंप आपदा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में राहत बचाव कार्यवाही को परखना है, जिससे कि भूकंप आपदा के दौरान त्वरित कार्यवाही करते हुए मानव जीवन को बचाया जा सके। इस मॉक अभ्यास को उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, तहसीलदार, सीएमओ व अन्य विभाग के अधिकारियों और ग्रामीणों की मौजुदगी में आयोजित किया गया। अभ्यास में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गाजीपुर, पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य, अग्निशमन सेवा, एनवाईके, पीडब्ल्यूडी, होमगार्ड, मीडियाकर्मियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। एनडीआरएफ बचाव दल द्वारा प्रदर्शित पेशेवर कौशल की जिला प्रशासन एवं अन्य हितधारकों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक सभा के डा0 रतन सिंह व अधिक्ता सभा के अंकुर सिंह बने जिलाध्यक्ष

प्रखर मिजार्पुर। लोकसभा 2024 को लेकर समाजवादी पार्टी ने शिक्षक सभा का जिलाध्यक्ष डा0 रतन सिंह पटेल एवं अधिवक्ता सभा का जिलाध्यक्ष अंकुर सिंह का पार्टी क जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि शिक्षक सभा व अधिवक्ता सभा को मजबूत बनाने के लिए लोगो के बीच जाने का काम करें। उन्होने कहा कि अपनी कमेटी का गठन दस दिन के अन्दर कर अनुमोदन हेतु देने का काम करें। कहा कि लोकसभा 2024 का चुनाव कभी भी हो सकता है। उन्होने लगे हाथ मंहगाई पर बोलते हुए कहा कि जब से केन्द्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है। मंहगाई बेतहाशा बढ़ रही है।ऐसी सरकार को जनता उखाड़ फेकने के लिए तैयार बैठी है।

वाराणसी में जी-20 कार्यक्रम का मीडियाकर्मियों ने किया बहिष्कार, पीआईबी एडीजी नानू भसीन को सौंपा पास, जताई नाराजगी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नदेसर स्थित होटल ताज में 26 अगस्त शनिवार को आयोजित जी-20 कार्यक्रम को कवरेज करने पहुंचे मीडिया कर्मियों ने दुर्व्यवस्थाओ के कारण हुए नाराज जताया नाराजगी` मीडिया के ठहरने की व्यवस्था ना होने के कारण कार्यक्रम का कवरेज करने से किया बहिष्कार और वहीं पीआईबी से जारी मीडिया पास को पीआईवी एडीजी नानू भसीन को वापस कर सभी मीडिया कर्मियों ने जताया नाराजगी` प्राप्त जानकारी के अनुसार जी-20 के मद्देनजर 29 देशो के सांस्कृतिक मंत्रियों की बैठक हुई जिसमें समस्त देशो की संस्कृति को आदान- प्रदान करने पर विचार विमर्श किया जाना था जिसके लिए पीआईबी वाराणसी ने स्थानीय पत्रकारों को आमंत्रित किया था जिसके क्रम में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे दर्जनो की संख्या में मीडियाकर्मियों ने स्थल की दुर्दशा पर सवाल खड़े कर दिए और वहां पर मीडियाकर्मियों के द्वारा कहा गया की जी -20 कार्यक्रम में आयोजको ने दर्जनो की संख्या में आमंत्रित मीडिया कर्मियों के बैठने की भी व्यवस्था नही किया गया है` मीडियाकर्मियों के बैठने का स्थान कार्यक्रम स्थल से दूर बनाया गया था जिसके ऊपर छत नही था पत्रकार दिर्घा में महज चार कुर्सियों की व्यवस्था थी जिसपर समस्त आमंत्रित पत्रकारो को बैठा पाना सम्भव नही था` जिससे झुब्ध मीडियाकर्मियों ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया और सभी मीडियाकर्मियों ने जी - 20 कार्यक्रम को कवरेज के लिए जारी पास को पीआईवी को वापस कर बैरंग वापस लौट गये।

चोरी किये मोबाइल का प्रयोग करना चोरों को पड़ा महंगा, 26 मोबाइल के साथ दबोचे गए तीन शातिर चोर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। मोबाइल की दुकान में सेंधमारी कर चोरी करने वाले 3 चोर चोरी की मोबाइल प्रयोग करने से पुलिस के शिंकजे में आ गए और शनिवार को पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। उनके पास से चोरी गए 4 लाख की मोबाइल नगदी समेत बरामद किया। उक्त मामले का खुलासा करते हुए एडीसीपी टी सरवन ने बताया कि 9 अगस्त की रात पिण्डरा बाजार में मोबाइल की दुकान में सेंधमारी कर दो दर्जन मोबाइल व स्मार्ट वाच व अन्य सामान सहित कैश काउंटर में रखे 25 हजार रुपए चुरा लिए थे। जिसमे पुलिस दुकानदार आकाश सिंह की तहरीर पर धारा 457,380 के तहत अज्ञात के खिलाफ पंजीकृत किया गया था । जिसमे एसीपी पिण्डरा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रयास में जुटी थी तभी शनिवार को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अखिलेश कुमार बिंद पुत्र स्व अमरनाथ बिंद व कन्हैया यादव पुत्र चंद्रजीत यादव निवासीगण पिंडराई (बलरामपुर) तथा तेजा गौड़ पुत्र मिठाई गौड़ निवासी बेलवा (महुआ) सभी निवासी थाना फूलपुर को कैथोली मोड के पास से गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से 26 मोबाईल फोन व एक स्मार्ट वाच तथा घटना में प्रयुक्त रम्बा, टोटो गाड़ी को बरामद किया गया । अभियुक्तगणों नें पूछताछ के दौरान बताया कि वह लोग आकाश सिंह के मोबाइल की दुकान पिण्डरा पर आते जाते थे तथा दुकान में देखे थे कि नया - नया मोबाइल रखा हुआ है। उसके बाद तीनो मिलकर दुकान से मोबाइल चोरी करने का प्लान बनाकर रात में दुकान के पीछे की दीवार को रम्बे से तोड़ कर काउंटर पर रखे मोबाइल फोन, घड़ी की चोरी कर पिट्ठू बैग में और एक झोले में रखकर तीनो खेत के रास्ते भाग गये । चोरी किए गए मोबाइल फोन में से 2 मोबाइल फोन तेजा व एक मोबाइल फोन कन्हैया लेकर अपने अपने घर चले गए, बाकी मोबाइल व घड़ी लेकर अखिलेश जौनपुर चला गया। तथा उनमें से 2 मोबाइल फोन अखिलेश अपने पास रख लिया। शेष सभी मोबाइल को आज तीनों लोग बेचने के लिए बनारस ले जा रहे थे । तभी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार चोरों को 457, 380, 411, 323,504 व 506 के तहत जेल भेज दिया। घटना का खुलासा व गिरफ्तार करने वाले में थानाध्यक्ष दीपक कुमार राणावत,- एसआई प्रवीण कुमार मिश्र विवेकानन्द द्विवेदी,प्रशिक्षु एसआई रामसिंह यादव के अलावा सर्विलांस की टीम शामिल रही।

सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस से पकड़ में आये चोर- पिंडरा बाजार में मोबाइल की दुकान से 4 लाख रुपए की मोबाइल चुराने वाले चोर सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस के प्रयोग में पकड़ में आये। थानाध्यक्ष दीपक कुमार राणावत ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से कुछ सदिंग्ध लोग शक के घेरे में आये। उसके बाद उन लोगों के मोबाइल को सर्विलांस में लगया गया। उसके बाद चोरी गए मोबाइल का जब चोरों ने प्रयोग किया तो स्थिति स्पष्ट हो गई और उन्हें आज धर दबोचा गया।

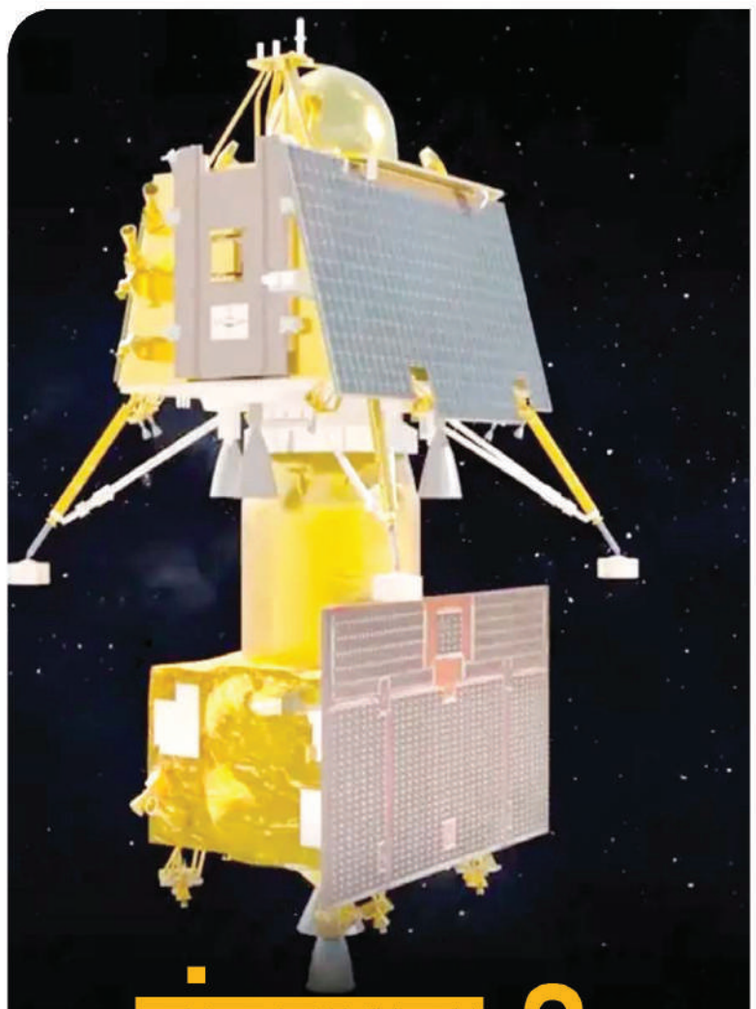

चंद्रयान-3

की सफलता के बाद अनंत संभावनाओं के द्वार खुले

- चंद्रमा पर जीवन की संभावना और सौर मंडल के रहस्यों को जानने में मिलेगी मदद
- चंद्रयान-3 मिशन के तहत लैंडर और रोवर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है और ऐसा अनुमान है कि यहां जमे हुए पानी के भंडार मौजूद हैं। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पानी की मौजूदगी का पता लगाना

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में 'चंद्रयान-3' की सफलता के बाद अनंत संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि अब सबसे महत्वपूर्ण चुनौती चांद के दुर्गम दक्षिणी ध्रुवीय इलाके में पानी की मौजूदगी की संभावना की पुष्टि और खनिज एवं धातुओं की उपलब्धता का पता लगाने की होगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन अध्ययनों से चंद्रमा पर जीवन की संभावना एवं सौर मंडल की उत्पत्ति के रहस्यों से परदा हटाने में भी मदद मिलेगी।

आईआईटी गुवाहाटी के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर शांतब्रत दास ने बताया, चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव बेहद दुर्गम और कठिन क्षेत्र है। इसमें 30 किलोमीटर तक गहरी घाटियां और 6-7 किलोमीटर तक ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र आते हैं। इस इलाके में लैंडिंग करना ही अपने आप में काफी चुनौतिपूर्ण कार्य था। चंद्रमा के इस हिस्से में कई इलाके ऐसे हैं जहां सूर्य की किरणें पड़ी ही नहीं हैं। ऐसे में यहां जमे हुए पानी के महत्वपूर्ण भंडार हो सकते हैं। चंद्रयान-1 से इस बारे में संकेत भी मिले थे। प्रो. दास ने बताया, 'प्रज्ञान' रोवर पर दो पेलोड लगे हैं। इसमें पहला 'लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप' है जो चांद की सतह पर मौजूद रसायनों की मात्रा और गुणवत्ता का अध्ययन करने के साथ ही खनिजों की खोज करेगा। दूसरा पेलोड 'अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर' है जो तत्वों एवं अवयवों की बनावट का अध्ययन करेगा और मैग्नीशियम, अल्यूमिनियम, सिलिकान, पोटैशियम, कैल्शियम, टिन, लोहे के बारे में पता लगाएगा।

चंद्रमा पर धातुओं एवं खनिजों की उपलब्धता के बारे में एक सवाल के जवाब में आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर दास ने कहा, मैं वहां धातुओं एवं खनिजों की मौजूदगी से इंकार नहीं कर रहा। लेकिन यह कितनी मात्रा में होगी, यह महत्वपूर्ण विषय है। चंद्रमा की मिट्टी की संरचना का अध्ययन करने से यह बात सामने आई है कि इसका औसत घनत्व 3.2 ग्राम प्रति क्यूबिक सेंटीमीटर है जो पृथ्वी के औसत घनत्व 5.5 ग्राम प्रति क्यूबिक सेंटीमीटर से करीब करीब आधा है। चंद्रमा की उत्पत्ति पृथ्वी के बाद हुई है, ऐसे में वहां भारी धातुओं की मौजूदगी की मात्रा अध्ययन का विषय होगी। प्रो. दास ने बताया, चंद्रमा पर आगे अध्ययन से निश्चित रूप से भविष्य के अभियान, वहां जल की मौजूदगी आदि के बारे में जानने में काफी मदद मिलेगी।

पुणे स्थित इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स के वैज्ञानिक प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने बताया, चंद्रयान-3 मिशन के तहत लैंडर और रोवर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है और ऐसा अनुमान है कि यहां जमे हुए पानी के भंडार मौजूद हैं। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पानी की मौजूदगी का पता लगाना रहेगी। इसके अलावा खनिजों की मौजूदगी, उनकी गुणवत्ता और उनकी मात्रा संबंधी अध्ययन भी किया जाएगा। इन अध्ययनों से सौर मंडल की उत्पत्ति से जुड़े अन्य रहस्यों को जानने में मदद मिलेगी। आईआईटी, जोधपुर के प्रोफेसर, डा. अरुण कुमार ने बताया, इस अभियान के तहत चंद्रमा की सतह पर भूकंपीय गतिविधि का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।

2050 तक एक अरब लोग हो सकते हैं

ऑस्टियोआर्थराइटिस

से पीड़ित

नयी दिल्ली (भाषा)। दुनियाभर में 2050 तक लगभग एक अरब लोग जोड़ों को प्रभावित करने वाली समस्या 'ऑस्टियोआर्थराइटिस' से पीड़ित हो सकते हैं। 'द लांसेट रियूमेटोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित नए शोध से यह जानकारी सामने आयी है। शोध के दौरान 200 से अधिक देशों में 1990 से 2020 तक के 'ऑस्टियोआर्थराइटिस' संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोध में पता चला कि फिलहाल दुनियाभर में 30 साल या उससे अधिक आयु की 15 प्रतिशत आबादी 'ऑस्टियोआर्थराइटिस' का सामना कर रही है।

शोध में कहा गया है कि 2020 में 59 करोड़ 50 लाख लोगों के 'ऑस्टियोआर्थराइटिस' से पीड़ित होने का पता चला, यह संख्या 1990 की तुलना में 132 प्रतिशत अधिक है। शोध के अनुसार 1990 में 25 करोड़ 60 लाख लोग इससे प्रभावित थे।

'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी' 2021 के तहत अमेरिका के वाशिंगटन में स्थित 'इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के नेतृत्व में यह शोध किया गया है। शोध में 'ऑस्टियोआर्थराइटिस' के मामलों में तेजी से वृद्धि के लिए मुख्य रूप से उम्र बढ़ने, जनसंख्या वृद्धि और मोटापे को जिम्मेदार बताया गया है। आईएचएमई में शोध के संबंधित लेखक और प्रमुख अनुसंधान वैज्ञानिक जेमी स्टीनमेट्ज़ ने कहा, 'उम्रदराज होते लोगों और दुनियाभर में बढ़ती आबादी के बीच हमें अधिकांश देशों में स्वास्थ्य प्रणालियों पर दबाव का अनुमान लगाने की जरूरत है।' शोध के अनुसार 2050 तक दुनियाभर में लगभग एक अरब लोग जोड़ों को प्रभावित करने वाली समस्या 'ऑस्टियोआर्थराइटिस' से पीड़ित हो सकते हैं।

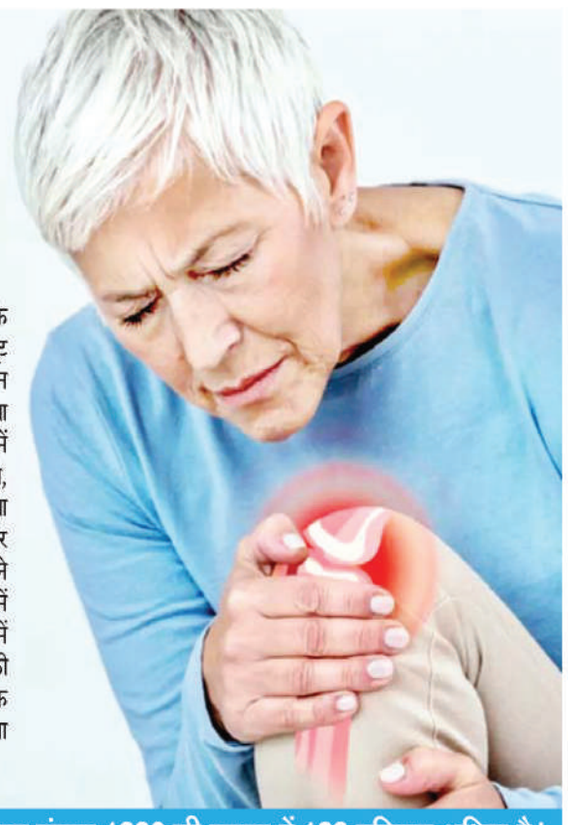

2020 में 59 करोड़ 50 लाख लोगों के 'ऑस्टियोआर्थराइटिस' से पीड़ित होने का पता चला, यह संख्या 1990 की तुलना में 132 प्रतिशत अधिक है।

'मिमी' एक ऐसा उपहार है जो लगातार कुछ ना कुछ दे ही रहा है। इस फिल्म में सैनन ने विदेशी दंपति के लिए 'किराये पर कोख देने वाली मां' की भूमिका निभाई है।

राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद कृति सैनन

आशा करती हूं कि जीवन में नए अध्याय की शुरुआत होगी

नई दिल्ली (भाषा)। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद कृति सैनन का कहना है कि 'राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना बहुत बड़ी बात है और आशा करती हूं कि यह मेरे जीवन में नये अध्याय की शुरूआत होगी।'

अभिनय की दुनिया में पिछले नौ साल से सक्रिय सैनन को बृहस्पतिवार को घोषित राष्ट्रीय पुरस्कारों में लक्ष्मण उतेकर की 'ड्रामा-कॉमेडी' फिल्म 'मिमी' में अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला है। सैनन (33) ने साथ साक्षात्कार में कहा, 'यह मेरे, मेरे परिवार और इस फिल्म में मुझसे जुड़े सभी लोगों के लिए महत्वपूर्ण पल है। जब मुझे पुरस्कार मिलने की सूचना मिली, उस वक्त मुझे जो महसूस हुआ उसे मैं हमेशा याद रखूंगी। मैं आशा करती हूं कि यह मेरे जीवन में नये अध्याय की शुरूआत होगी।'

सैनन ने कहा 'मिमी' एक ऐसा उपहार है जो लगातार कुछ ना कुछ दे ही रहा है। इस फिल्म में सैनन ने विदेशी दंपति के लिए 'किराये पर कोख देने वाली मां' की भूमिका निभाई है। दिल्ली में जन्मीं अभिनेत्री ने कहा, 'राष्ट्रीय पुरस्कार बड़ी बात है और यह सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है और इसके कारण मुझे पहले ही बहुत प्यार मिल चुका है फिर चाहे वह मेरे दर्शकों की ओर से हो या फिर मेरा पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार हो। मुझे लगता है कि इस फिल्म की मेरे फिल्मी करियर में खास जगह होगी। सैनन याद करती हैं कि कैसे उन्होंने यह किरदार निभाने के लिए अपना सबकुछ झोंक दिया था और अब वह खुश हैं कि उनकी कोशिशों का नतीजा राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में निकला है। अभिनेत्री कहती हैं, 'मिमी' उन फिल्मों में से हैं जो आपके दिल को छू लेती हैं और बतौर अभिनेता आपके भीतर उसे लेकर जुनून पैदा हो जाता है। अभिनेता के रूप में यह आपको काम करने का इतना मौका देता है कि आप उसके हर पहलू को छू लेना चाहते हैं। इस फिल्म में मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। मेरा पूरा सफर, 15 किलोग्राम वजन बढ़ाना, कुछ बहुत ज्यादा थका देने वाले सीन, (सबकुछ था) लेकिन अब ऐसा लगता है कि (इतनी मेहनत) सफल रहा।'

कृति सैनन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार आलिया भट्ट के साथ साझा करना पड़ा है। आलिया को संजय लीला भंसाली की बायोपिक 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए यह पुरस्कार मिला है। आलिया के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार बांट कर खुश सैनन ने कहा, 'मैंने हमेशा उनके काम की सराहना की है और अभिनेता के रूप में वह बहुत अच्छी हैं। 'गंगूबाई' के लिए यह पुरस्कार 'उचित' है और अगर मुझे इसे किसी के साथ बांटना पड़े तो, यह वही (आलिया) होगी। मैंने उसे फोन भी किया था और दोनों ने एक-दूसरे को बधाई दी। उस वक्त हम बस दो अति उत्साहित लड़कियां थीं जो उस पल को जी रही थीं।'

एक महान हस्ती का बेटा होकर जीना आसान काम नहीं :

शुजात हुसैन खान

नई दिल्ली (भाषा)। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के एक महत्वपूर्ण स्तंभ और प्रसिद्ध सितारवादक विलायत खान के बेटे शुजात हुसैन खान का कहना है कि 'अत्यंत प्रतिभाशाली और महान हस्तियों की बहुत सी संतानें पुनर्वास केंद्रों की मोहताज होकर रह जाती हैं इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वे समाज के दबाव को झेल नहीं पाते और उनके इस दर्द को वह बखूबी समझ सकते हैं। स्वयं एक प्रसिद्ध सितारवादक शुजात खान ने कहा कि एक महान इंसान की औलाद के रूप में जीना कोई आसान काम नहीं है। उन्होंने कि वह ऐसे माहौल में बड़े हुए जहां उनकी तुलना लगातार हमेशा उनके पिता से की जाती थी और वह वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के बाद इस दबाव से बाहर आने में सक्षम हुए हैं।

खान ने कहा, 'बेहद, बेहद प्रतिभाशाली हस्तियों के बहुत से बच्चों को पुनर्वास केंद्रों में जाना पड़ता है। उन्हें नशे की लत लग जाती है क्योंकि वे समाज के दबाव को सहन नहीं कर पाते। मैं ऐसे बच्चों से समाज की अपेक्षाएं के दबाव को महसूस कर सकता हूं। कई बार बहुत कठिन एहसास से गुजरना पड़ता है।' छह वर्ष की उम्र में मंच पर अपनी पहली प्रस्तुति देने वाले 63 वर्षीय खान ने हालांकि स्वीकार किया कि 'महान हस्तियों' के बच्चों के लिए अवसरों तक पहुंचना आसान होता है। वे संगीत कार्यक्रमों में जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन यही वह बिंदु भी है जहां आकर सब खत्म हो जाता है और उसके बाद 'केवल एक बड़ी हस्ती का बेटा होने का दर्द' रह जाता है। शुजात हुसैन खान इमदादखानी घराने के सातवीं पीढ़ी के संगीतकार हैं। उनके दादा उस्ताद इनायत खान, परदादा उस्ताद इमदाद खान और महा परदादा उस्ताद साहेबदाद खान थे। ये सभी अपनी पीढ़ी के प्रमुख कलाकार थे। वह याद करते हुए बताते हैं कि उनके पिता विलायत खां बहुत ही सख्त उस्ताद थे।

अत्यंत प्रतिभाशाली और महान हस्तियों की बहुत सी संतानें पुनर्वास केंद्रों की मोहताज होकर रह जाती हैं इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वे समाज के दबाव को झेल नहीं पाते और उनके इस दर्द को वह बखूबी समझ सकते हैं

अंटार्कटिक में हो रहे परेशान करने वाले बदलाव

वोलोगोंग (ऑस्ट्रेलिया) (द कन्वर्सेशन)। दशकों तक अंटार्कटिक क्षेत्र के विज्ञान का अध्ययन करने के बाद,पता चला है कि भौतिक और जैविक परिवर्तन शायद ही कभी सुचारू रूप से होते हैं। ये धीमी गति से और रुक-रुक कर होते हैं और अधिकांशतः अपनी तेजी से जाहिर होते हैं। फिलहाल, अंटार्कटिका की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र में परेशान करने वाले बदलाव हो रहे हैं। अंटार्कटिका में इस शीत ऋतु की ज्यादातर समुद्री बर्फ गायब है, एक महत्वपूर्ण समुद्री धारा की गति धीमी हो रही है, और ग्लेशियर तथा बर्फ की चट्टानें विघटित हो रही हैं। भूमि पर, नाजुक काई के पारिस्थितिकी तंत्र का तेजी से क्षरण हो रहा है। संभव है कि आने वाले समय में हिम इलाकों के 'सम्राट' पेंगुइन विलुप्त हो जाएं। कुल मिलाकर अंटार्कटिका में मानव गतिविधि से उत्पन्न प्रदूषण ने एक जहरीली विरासत छोड़ दी है।यह लगभग तय है कि चीज़ें बदतर होंगी।

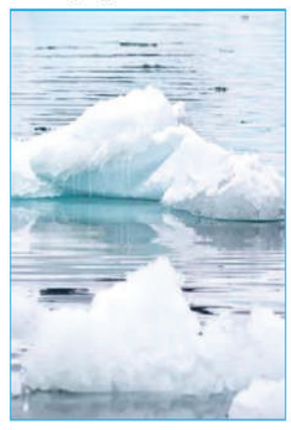

सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने उभरते जलवायु संकट के जवाब में दक्षिणी महासागर विज्ञान के तत्काल विस्तार का आह्वान किया है। इससे इस वैज्ञानिक दावे को बल मिलता है कि हमारे ग्रह को बचाने के लिए हमारे पास विकल्प सीमित हैं। एक वैज्ञानिक ने अंटार्कटिक और उप-अंटार्कटिक अनुसंधान में 40 वर्ष बिताए हैं। उनमें से लगभग 22 साल संघीय सरकार के ऑस्ट्रेलियाई अंटार्कटिक डिवीजन में लगे। उनका कहना है कि एक निजी नागरिक के रूप में, मैं सार्वजनिक रूप से बर्फीले महाद्वीप और समाज के लिए अंटार्कटिक विज्ञान के लाभ के लिए खड़ा होना जरूरी महसूस करता हूं। हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण अंटार्कटिका मायने रखता है, क्योंकि वहां जो घटित होता है वह वैश्विक मौसम पैटर्न और समुद्र के स्तर को प्रभावित करता है।

नई दिल्ली (भाषा)। कुछ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं, जैसे निगलने में कठिनाई, कब्ज और आंत विकार (आईबीएस) पार्किसंन रोग के जोखिम से जुड़ी हो सकती हैं। एक अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है। पार्किसंन एक मस्तिष्क विकार है, जिसके कारण शरीर में कंपकंपी, ऐंठन और संतुलन एवं समन्वय बैठाने में कठिनाई होती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि पूर्व में आंत की कुछ समस्याओं को पक्षाघात या मस्तिष्क धमनी विकार या अल्जाइमर रोग जैसी बीमारियों का कारण बनने से जोड़ा गया है।

पत्रिका 'गट' में प्रकाशित नवीनतम अध्ययन में अमेरिकी राष्ट्रव्यापी मेडिकल रिकॉर्ड नेटवर्क (ट्राइनेटएक्स) के 24,624 लोगों के आंकड़ों का उपयोग किया गया, जिन्हें अज्ञात कारण से पार्किंसंन रोग हुआ था। ऐसे लोगों की तुलना उन लोगों से की गई, जो अन्य मस्तिष्क विकार स्थितियों जैसे अल्जाइमर रोग (19,046) या सेरेब्रोवास्कुलर रोग से ग्रसित (23,942) या इनमें से कोई भी नहीं (24,624) पाए गए थे। पार्किसंन रोग से पीड़ित लोगों का उनके इस रोग का पता चलने से औसतन 6 साल पहले के इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड में शामिल आंत रोग स्थितियों की आवृत्ति की तुलना करने के लिए उम्र, लिंग और अन्य विवरणों के आधार पर अन्य समूहों के लोगों के साथ मिलान किया गया था। के.यू. ल्यूवेन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, बेल्जियम और जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, अमेरिका के शोधकर्ताओं की टीम ने नेटवर्क के उन सभी वयस्कों को अलग-अलग समूहों में विभाजित किया, जो 18 आंत स्थितियों में से किसी से ग्रसित पाए गए थे। इन समूहों में शामिल लोगों का उन लोगों से मिलान किया गया जिनके पेट में कोई विशेष समस्या नहीं थी और उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड के माध्यम से पांच वर्षों तक निगरानी की गई कि उनमें से कितने लोगों में पार्किसंन रोग या अन्य तंत्रिका संबंधी विकार विकसित हुए। शोधकर्ताओं ने कहा कि दोनों विश्लेषणों से संकेत मिलता है कि आंत रोग की स्थितियां पार्किसंन रोग के उच्च जोखिम से जुड़ी थीं।

आंत रोग की कुछ स्थितियां

पार्किसंन रोग के जोखिम का संकेत हो सकती हैं

पार्किसंन एक मस्तिष्क विकार है, जिसके कारण शरीर में कंपकंपी, ऐंठन और संतुलन एवं समन्वय बैठाने में कठिनाई होती है

कंगना रनौत

ने नेशनल अवॉर्ड विजेताओं को बधाई दी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने 69वें नेशनल अवॉर्ड के सभी विजेताओं को बधाई दी है। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। कंगना रनौत ने नेशनल अवॉर्ड के सभी विजेताओं को बधाई दी है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा ,राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 के सभी विजेताओं को बधाई। ये कला का एक ऐसा कार्निवल है जो देशभर के सभी कलाकारों को एक साथ लाता है। सभी भाषाओं में हो रहे इतने महत्वपूर्ण कार्यों को जानना और उनसे परिचित होना वास्तव में मैजिकल है।

संक्षिप्त खबरें

विदेशी मुद्रा भंडार 7.3 अरब डॉलर घटा

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि कमी होने से 18 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.3 अरब डॉलर घटकर 594.9 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 70.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 602.2 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 18 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 6.6 करोड़ डॉलर की की गिरावट लेकर 527.8 अरब डॉलर पर आ गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 51.5 करोड़ डॉलर कम होकर 43.8 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 11.9 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.5 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 5.07 अरब डॉलर रह गई।

लिंकन फार्मास्यूटिकल्स का 750 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

लखनऊ। लिंकन फार्मास्यूटिकल्स लि. ने पहली बार एक हजार करोड़ रुपये से अधिक बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों की विशिष्ट लीग में प्रवेश किया है। कंपनी का शेयर मूल्य 24 अगस्त 2023 को 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 503.35 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। कंपनी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में राजस्व और मार्जिन में स्वस्थ वृद्धि बनाए रखना है और वित्त वर्ष 2026 तक 750 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने का है। कंपनी ने किसी वित्तीय वर्ष में पहली बार 500 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व और 100 करोड़ रुपये से अधिक कर पूर्व लाभ का लक्ष्य हासिल किया। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के दौरान भी कंपनी ने उत्कृष्ट परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है।

कार्तिक आर्यन बने डाबर रेड बे फ्रैश जेल के ब्रांड अम्बेसडर

नई दिल्ली। डाबर इंडिया लिमिटेड ने अभिनेता कार्तिक आर्यन को डाबर रैड बे फ्रैश जैल के लिए ब्रांड अम्बेसडर नियुक्त किया है। डाबर ने टूथपेस्ट ब्रांड 'डाबर रेड' का विस्तार करते हुए नए जेल टूथपेस्ट. डाबर रेड बे फ्रेश जेल लॉन्च किया है। मदर ब्रांड 'डाबर रेड' पहले से देश के हर 3 में से 1 परिवार में मौजूद है, ऐसे में नए जेल टूथपेस्ट के लिए कार्तिक आर्यन को ब्रांड अम्बेसडर के रूप में साईन करने से खासतौर पर युवा भारतीयों में ब्रांड की पहुंच और भी मजबूत होगी। ब्रांड जनरेशन ज़ी एवं मिलेनियल्स को ध्यान में रखते हुए एक कैंपेन भी लेकर आया है। ओगिल्वी इंडिया द्वारा तैयार किया गया यह कैंपेन दर्शकों को संदेश देगा कि किस तरह ओरल ब्राइजीन आपका आत्मविश्वास बढ़ा देती है।

रुपया नौ पैसे कमजोर

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से आज अंतर बैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया नौ पैसे गिरकर 82.65 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 82.56 रुपये प्रति डॉलर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया चार पैसे फिसलकर 82.60 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की लिवाली से 82.71 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 82.56 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में नौ पैसे गिरकर 82.65 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

टोयोटा ने 'रूमियन' पेश करने की घोषणा की

बेंगलुरु। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ऑल न्यू टोयोटा रूमियन कार लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक नई कॉम्पैक्ट एमपीवी है जो स्टाइलिश और प्रीमियम नई पारिवारिक कार है और स्थान के मामले में बेजोड़ है तथा उत्कृष्ट ईंधन दक्षता का दावा करती है। ऑल न्यू टोयोटा रूमियन के केंद्र में नियो ड्राइव तकनीक और ई.सीएनजी तकनीक के साथ शक्तिशाली के सीरीज का 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन है। इसका माइलेज पेट्रोल वर्जन का 20.51 किलोमीटर व एक लीटर सीएनसी में 26.11 किलोमीटर है। टीकेएम के प्रबंध निदेशक और सीईओ मासाकाज़ु योशिमुरा ने कहा टोयोटा में हम विश्वस्तरीय वाहन देने से कहीं आगे जाने में विश्वास करते हैं। (एजेंसियां)

कृत्रिम मेधा से भारत में और नौकरियां पैदा होंगी : चंद्रशेखरन

नई दिल्ली (भाषा)।

बी-20 इंडिया के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) भारत में और अधिक नौकरियां पैदा करेगी क्योंकि यह कम कौशल वाले या बिना कौशल वाले लोगों को उच्च स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिये सशक्त बनाएगी। यहां बी-20 शिखर सम्मेलन भारत 2023 में एक परिचर्चा में, टाटा संस के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत ने तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण अपनाकर निजी जानकारी की गोपनीयता और सुरक्षा की दिशा में 'शानदार सफलता' हासिल की है।

एआई के आगमन के साथ गोपनीयता और नौकरियों संबंधी चिंताओं को दूर करने पर उन्होंने कहा, "वास्तव में हमारे जैसे देश में, यह (एआई) नौकरियां पैदा करेगी क्योंकि यह कम कौशल या बिना कौशल वाले लोगों को उच्च स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिये सशक्त बनाएगी।"

उन्होंने एक नर्स का उदाहरण दिया और कहा कि एआई के कारण 'नर्स एक डॉक्टर के कार्यभार को दूर करने में सक्षम होगी और इसी तरह हम आगे बढने जा रहे हैं।'

चंद्रशेखरन ने कहा कि हालांकि, एआई का प्रभाव अलग-अलग बाजारों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न होगा। चंद्रशेखर ने कहा, "फिर से, एआई बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि जिन चीजों का ध्यान रखने की जरूरत है उनमें से अधिकतर चीजें एआई कर सकती है। इसीलिए, विभिन्न क्षेत्रों और विभिन्न बाजारों में लाभ अलग-अलग होंगे। यह तय है कि एआई हर जगह नौकरियां पैदा करने जा रहा है, यह लोगों को उच्च स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिये सशक्त बनाने जा रहा है।"

ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड का आईपीओ 30 को

नई दिल्ली (भाषा)।

वैश्विक ऊर्जा दक्षता समाधान कंपनी ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने 491 करोड़ रुपये की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 418-441 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने घोषणा की कि उसका आरंभिक सार्वजनिक निर्गम अभिदान के लिए 30 अगस्त को खुलेगा और एक सितंबर को बंद होगा।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 75 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों और इसके प्रवर्तक समूह के शेयरधारकों तथा एक मौजूदा निवेशक द्वारा 94.3 लाख इक्विटी शेयर की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

कंपनी अपने आईपीओ के जरिए प्राइस बैंड के निचले और ऊपरी स्तर पर क्रमशः 469.10 करोड़ रुपये और 490.78 करोड़ रुपये जुटाएगी।

सेबी ने साइबर सुरक्षा चाक चौबंद करने को जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली (भाषा)।

- एमआईआई, शेयर बाजारों, समाशोधन निगम और डिपॉजिटरी को एक वित्त वर्ष में कम से कम दो बार व्यापक साइबर ऑडिट करना जरूरी
- साइबर ऑडिट रिपोर्ट के साथ, सभी एमआईआई को अपने एमडी या सीईओ से अनुपालन की घोषणा प्रस्तुत करना होगा

बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को साइबर सुरक्षा को और चाक चौबंद करने के लिए शेयर बाजारों और बाजार से जुड़ीं सुविधाएं प्रदान करने वाले ढांचागत संस्थानों के प्रबंध निदेशकों (एमडी) या मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि नए दिशानिर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

नए दिशानिर्देश के तहत बाजार से जुड़ी सुविधाएं प्रदान करने वाले ढांचागत संस्थानों (एमआईआई), शेयर बाजारों, समाशोधन निगम और डिपॉजिटरी को एक वित्त वर्ष में कम से कम दो बार व्यापक साइबर ऑडिट करना जरूरी है।

साइबर ऑडिट रिपोर्ट के साथ, सेबी ने सभी एमआईआई को अपने प्रबंध निदेशक या सीईओ से अनुपालन की घोषणा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसमें प्रमाणित करना है कि संगठन की सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली में कमजोरियों की पहचान के साथ-साथ उन्हें दूर करने के लिए उपयुक्त उपाए किए गए हैं।

इसके अलावा, उन्हें यह प्रमाणित करना है कि उनके सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी) के लिए पर्याप्त संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है और एमआईआई द्वारा साइबर सुरक्षा से संबंधित सेबी के सभी परिपत्रों और सलाह का अनुपालन किया गया है। साथ ही एमआईआई को अपने संबंधित 'संरक्षित सिस्टम' में मिलीं कमजोरियों के नियमित जानकारी राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (एनसीआईआईपीसी) को भेजने के लिए अनिवार्य किया गया है।

एमआईआई को 30 दिनों के भीतर सेबी को नए दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन की स्थिति बताने का निर्देश दिया गया है।

एनबीएफसी संचालन मानकों को मजबूत करें

मुंबई (भाषा)।

- रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने एनबीएफसी के प्रबंध निदेशकों एवं सीईओ की बैठक में दिये निर्देश
- एनबीएफसी नियमों का अनुपालन, जोखिम प्रबंधन और आंतरिक ऑडिट पर ध्यान दें : रिजर्व बैंक गवर्नर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को आवासीय वित्त कंपनियों समेत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को संचालन मानकों एवं अनुपालन व्यवस्था को सशक्त करने के लिए कहा। दास ने यहां चुनिंदा एनबीएफसी के प्रबंध निदेशकों (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक बैठक में यह निर्देश दिए। इस बैठक में सार्वजनिक एनबीएफसी के अलावा आवासीय वित्त कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी शिरकत की।

इन सभी वित्तीय इकाइयों का समूचे एनबीएफसी कारोबार के करीब 50 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग सुविधा से वंचित क्षेत्रों में कर्ज मुहैया कराने में एनबीएफसी की भूमिका को अहम बताते हुए उन्हें किसी भी तरह की शिथिलता से बचने की हिदायत भी दी।

बयान के मुताबिक, गवर्नर ने एनबीएफसी कंपनियों से अपने संचालन मानकों एवं आश्वासन व्यवस्थाओं को और मजबूत करने पर ध्यान देने को कहा। इनमें नियमों का अनुपालन, जोखिम प्रबंधन और आंतरिक ऑडिट जैसे पहलू शामिल हैं। इस बैठक में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और आवासीय वित्त कंपनियों के लिए संसाधनों में विविधता लाने पर भी चर्चा की गई ताकि बैंकों से उधारी लेने पर उनकी निर्भरता को कम किया जा सके। इसके अलावा असुरक्षित खुदरा कर्ज खंड में उच्च वृद्धि से जुड़े जोखिम और सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली एवं साइबर सुरक्षा को उन्नत करने पर भी जोर दिया गया। इस बैठक में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव एवं स्वामीनाथन जे और राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) के प्रबंध निदेशक एस के होता भी मौजूद थे।

सेंसेक्स 365 अंक टूटा

मुंबई (एजेंसियां)।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बाजार में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 365 अंक गिर गया जबकि निफ्टी 19,300 के स्तर से नीचे आ गया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और नीतिगत दर में वृद्धि की आशंका के बीच वित्तीय, आईटी तथा तेल कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 365.83 अंक की गिरावट के साथ 64,886.51 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी भी 120.90 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,265.80 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से लार्सन एंड टुब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक शामिल हैं।

मुद्रास्फीति को काबू में रखना मेरी प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

- भारत की आर्थिक वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में अच्छी रहनी चाहिए : वित्त मंत्री
- विदेशी निवेश आर्थिक वृद्धि के लिए अहम , सरकार ने निवेश आकर्षित करने के लिए कई सुधार किए : निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भरोसेमंद आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए मुद्रास्फीति को काबू में करना सरकार की प्राथमिकता है। सीतारमण ने यहां बी-20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एक लंबी अवधि तक ब्याज दरों के ऊंचे स्तर पर रहने से आर्थिक गतिविधियों के पुनरुद्धार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'इन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए मेरी प्राथमिकता मुद्रास्फीति को काबू में रखने की है।'

खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई के महीने में बढकर 7.44 प्रतिशत हो गई जो पिछले 15 महीनों का उच्च स्तर है। इसमें टमाटर समेत मौसमी सब्जियों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी की अहम भूमिका रही है।

हालांकि वित्त मंत्री ने उम्मीद जताई कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में अच्छी रहनी चाहिए। इस तिमाही के आंकड़े 31 अगस्त को जारी होने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'भारत आर्थिक सुधारों की रफ्तार तेज करने में सफल रहा है। इसकी वजह से अप्रैल-जून तिमाही की वृद्धि दर का आंकड़ा अच्छा रहना चाहिए।'

सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय बढ़ाने का बजट में ऐलान किए जाने के बाद निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय के सकारात्मक संकेत भी नजर आने लगे हैं। उन्होंने विदेशी निवेश को आर्थिक वृद्धि के लिए अहम बताते हुए कहा कि सरकार ने निवेश आकर्षित करने के लिए कई सुधार किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जलवायु परिवर्तन से संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तपोषण का भी उल्लेख किया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जब दुनिया कोविड-19 और इसके प्रभावों, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के साथ ही अन्य कारणों से हुई तबाही से गुजर रही है जो वैश्विक स्तर पर गंभीर स्थिति पैदा कर रही है , ऐसे समय में वैश्विक आर्थिक सुधार को कायम रखना एक बड़ी चुनौती है।

श्रीमती सीतारमण ने आज यहां सतत वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए प्रमुख प्राथमिकताओं पर सत्र को संबोधित करते हुये कहा कि इन चिंताओं के अलावा, प्रत्येक देश की अलग स्थिति होती है जिसे उनकी अर्थव्यवस्थाओं के पुनर्निर्माण के लिए विशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता होती है। उन्होंने पांच प्रमुख प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुये कहा कि ये वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को निरंतर सुधार के रास्ते पर लाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मुद्रास्फीति पर काबू पाना होगा जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्रीय बैंकों के सामने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए विकास की प्रधानता को ध्यान में रखना है। दूसरी प्राथमिकता विकास को गति देने के लिए निवेश, विशेषकर भौतिक संपत्तियों में सार्वजनिक निवेश पर जोर देना है जबकि तीसरी प्राथमिकता शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश बढ़ाना है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्त के मुद्दे को चौथी प्राथमिकता बताया, जबकि आखिरी प्राथमिकता विकास को मजबूत करने के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण पर आधारित है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है।

उन्होंने कहा कि कई देशों ने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और इंडिया स्टैक से सीखने में गहरी रुचि दिखाई है, जिसने भारत ब्रांड को ऊपर उठाया है।

इंडियन ऑयल क्षमता विस्तार पर चार लाख करोड़ निवेश करेगी

नई दिल्ली (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी खुदरा पेट्रोलियम विक्रेता इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) अपने रिफाइनिंग एवं पेट्रोरसायन कारोबार के विस्तार और ऊर्जा बदलाव से जुड़ी परियोजनाओं पर मौजूदा दशक में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करेगी। आईओसी के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य ने शुक्रवार को सालाना आमसभा में कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि आईओसी कच्चे तेल को ईंधन में बदलने और रिफाइनिंग क्षमताओं के विस्तार पर इस अवधि में एक लाख करोड़ रुपये निवेश करेगी जबकि 2.4 लाख करोड़ रुपये का बड़ा निवेश शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने में मददगार परियोजनाओं पर किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी ओडिशा के पारादीप में एक विशाल पेट्रोरसायन परिसर लगाने पर भी 60,000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है।वैद्य ने कहा कि आईओसी को इन निवेश योजनाओं से तेजी से बढती अर्थव्यवस्था में बढ रही ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कंपनी ऊर्जा बदलाव की राह पर भी चलकर शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंच पाएगी।

आईओसी के चेयरमैन ने कहा, 'पिछले साल उतार-चढ़ाव ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को हिलाकर रख दिया था लेकिन आईओसी ने देश के लिए अपनी प्रतिबद्धता पूरी शिद्दत से निभाई। भारत के ऊर्जा संरक्षक के रूप में आपकी कंपनी ने देश के ऊर्जा परिदृश्य के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आईओसी देश के ऊर्जा क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी को वर्ष 2050 तक बढाकर 12.5 प्रतिशत तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है जो फिलहाल नौ प्रतिशत है।

जेएसडब्ल्यू समूह इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण के क्षेत्र में उतरेगा

नई दिल्ली (भाषा)।

जेएसडब्ल्यू समूह अपनी खुद की इलेक्ट्रिक कार बनाने की योजना पर काम कर रहा है। समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने शुक्रवार को यह बात कही। जेएसडब्ल्यू समूह ईवी क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए एमजी मोटर इंडिया के साथ बातचीत भी कर रहा है। उन्होंने 'बी20 समिट इंडिया 2023' के मौके पर कहा, "हम ईवी क्षेत्र में प्रवेश करने को लेकर बेहद गंभीर हैं। एमजी हमारी पहली पसंद होगी। अगर ऐसा होता है, तो ठीक है। अन्यथा हम अपनी खुद की ईवी कारों को विकसित करने के लिए भी काम कर रहे हैं।' जिंदल ने कहा, "ईवी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां जेएसडब्ल्यू समूह को जरूर प्रवेश करना चाहिए। भविष्य इसका है और इस क्षेत्र में कदम रखने का यह सही समय है।"इस मौके पर जिंदल ने शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वैश्विक सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन सिर्फ चर्चा का बिंदु नहीं है, बल्कि एक वास्तविकता है।

समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा कि हम ईवी क्षेत्र में प्रवेश को लेकर बेहद गंभीर, भविष्य ईवी वाहनों का

दुनिया इस वास्तविकता को सामने आते हुए देख रही है, जबकि दूसरी ओर विरोधाभास यह है कि कोयला जैसे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता भी बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों और ऊर्जा संकट से निपटने तथा पेरिस समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को बनाए रखने की जरूरत है। इसके अलावा जलवायु वित्तपोषण को बढ़ावा देना होगा। जिंदल ने साथ ही स्वच्छ ऊर्जा को न्यायसंगत और समावेशी बनाने की सिफारिश की

भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए पर बातचीत में अच्छी प्रगति : गोयल

जयपुर (भाषा)।

एफटीए पर बातचीत अंतिम चरण में : ब्रिटेन

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देश इसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, "हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वार्ता में जो भी मुद्दा आता है, उसमें हम सभी एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं, एक-दूसरे की संवेदनशीलता, दोनों देशों के विकास के विभिन्न स्तरों और भविष्य की संभावनाओं का सम्मान करते हैं।' उन्होंने कहा कि इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों ने 'अच्छी' प्रगति की है और 12वें दौर की वार्ता चल रही है। वार्ता पूरी होने के समय के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि दुनिया में कोई देश निश्चित समयसीमा के तहत काम नहीं करता है। उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं चाहूंगा कि यह कल ही हो जाए। हम दोनों इसके अच्छे परिणाम के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

ब्रिटेन के व्यापार मंत्री केमी बडेनोच ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन प्रस्तावित एफटीए के तहत व्यापार गतिशीलता पर सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं और बातचीत अब अंतिम चरण में है। मंत्री जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए यहां आये थे।

हिन्दुस्तान जिंक की उत्पादन क्षमता 15 लाख टन करेगी

नई दिल्ली (वार्ता)।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड जिंक का उत्पादन मौजूदा वित्तीय वर्ष में 10 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 15 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है।

कंपनी की अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कंपनी की 57वीं वार्षिक बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा 'देश के विकास में जिंक अहम भूमिका निभाएगा, हिन्दुस्तान जिंक विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में होगी। हम इस सेक्टर में कम से कम 3 से 4 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रहे है। हम अपना उत्पादन 10 लाख टन से बढ़ाकर 15 लाख टन प्रतिवर्ष करने की योजना बना रहे है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी ने 10 लाख टन से अधिक रिफाइंड मेटल का उत्पादन किया है।"

उन्होंने कहा कि नए वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने 257 किलोटन जिंक उत्पादन किया है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान जिंक भूमिगत खनन में बैटरी चालित ईवी संचालित करने वाली देश की पहली कंपनी है। 2025 तक कोयला निर्भरता को कम करने का लक्ष्य है।

निर्माण क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाएं : पुरी

नई दिल्ली।

- मंत्रालय ने अपनी ओर से 'ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज' के तहत दुनिया भर से 54 नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों को चुना है जिसके तहत चेन्नई, राजकोट, इंदौर, लखनऊ, रांची और अगरतला में 6,368 घर बनाए जा रहे हैं : हरदीप पुरी

आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण 2030 तक 60 करोड़ से अधिक लोगों के शहरों में निवास करने का अनुमान है। उन्होंने निर्माण उद्योग में नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने की जरूरत पर भी बल दिया।

मंत्री ने जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों के शीर्ष संगठन क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) द्वारा 'निर्माण उद्योग में नई और उभरती भवन निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों को अपनाने' के विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। क्रेडाई 13,000 से अधिक डेवलपर सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

पुरी ने कहा, 'यह जरूरी है कि हम निर्माण उद्योग में उभरती सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए व्यवहार्य तरीके खोजें।' इस संबंध में सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में पुरी ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री ने निर्माण उद्योग में इन पुरानी प्रौद्योगिकियों की जगह नई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया था। मंत्रालय ने अपनी ओर से 'ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज' के तहत दुनिया भर से 54 नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों को चुना है। चेन्नई, राजकोट, इंदौर, लखनऊ, रांची और अगरतला में छह लाइट हाउस परियोजनाओं का चयन किया गया है, जिसके तहत नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके 6,368 घर बनाए जा रहे हैं।

पुरी ने कहा, 'इन लाइट हाउस परियोजनाओं के साथ, मेरा मानना है कि मोदी सरकार ने निर्माण उद्योग को खुद को फिर से खड़ा करने के लिए और 2030 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए रूपरेखा तैयार किया है।'

उन्होंने इन छह परियोजनाओं में नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग के विभिन्न लाभों का हवाला दिया। इनसे निर्माण समय में 50 प्रतिशत की कमी, सीमेंट की 15-20 प्रतिशत की बचत, निर्माण अपशिष्ट में 20 प्रतिशत की कमी, लागत में 10-20 प्रतिशत की कमी, 20-25 प्रतिशत बढी हुई तापीय सुविधा, 4-सितारा ग्रीन हाउस रेटिंग, ऊर्जा में 20 प्रतिशत की कमी और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 35 प्रतिशत की कमी आदि हैं।

पुरी ने कहा, '2030 में भारत की शहरी आबादी 60 करोड़ से अधिक होगी। आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में शहर 2030 तक देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में 70 प्रतिशत से अधिक का योगदान देंगे।'

नीरज चोपड़ा ने एक थ्रो से किए दो कारनामे

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे और पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

बुडापेस्ट, (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग राउंड में 88.77 मीटर के शानदार थ्रो के साथ फाइनल में प्रवेश कर किया लिया।

नीरज अपने पहले ही प्रयास में भाले को 88.77 मीटर दूर फेंककर क्वालीफाइंग राउंड के ग्रुप-ए में शीर्ष पर रहे। विश्व चैंपियनशिप के फाइनल का क्वालीफिकेशन निशान 83 मीटर पर निर्धारित था। नीरज ने इसी के साथ पेरिस ओलंपिक 2024 में भी क्वालीफाई कर लिया। पेरिस ओलंपिक में क्वालीफाई करने के लिए खिलाड़ियों को कम से कम 85.50 मीटर की दूरी पर भाला फेंकना था। ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया एक जुलाई 2023 को शुरू हुई थी और 30 जून 2024 तक जारी रहेगी। केवल विश्व एथलेटिक्स नियमों के अनुरूप विश्व एथलेटिक्स, क्षेत्रीय संघों या राष्ट्रीय महासंघों (नीरज के मामले में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ) द्वारा आयोजित या अधिकृत प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन ही ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए मान्य होते हैं।

बिंद्रा के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते है नीरज

नीरज चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। वह इस बार भी यहां स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार हैं। अगर चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लेते हैं तो वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। बिंद्रा 2008 में व्यक्तिगत स्पर्धा का ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे, उन्होंने 2006 में जगरेब में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया था।

नीरज ने की किशोर जेना की मदद

किशोर जेना का वीजा हंगरी के दूतावास ने रद्द कर दिया था। जेना का वीजा रद्द होने के बाद नीरज चोपड़ा एक्शन में आ गए थे। नीरज ने वीजा मुद्दे को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। नीरज की कोशिशें रंग लाईं और किशोर जेना को हंगरी का वीजा मिल गया। अब उन्होंने फाइनल में पहुंचकर भारतीय फैन्स को झूमने का मौका दिया है।

भारत के मनु और जेना ने भी फाइनल में जगह बनाई

नीरज चोपड़ा के अलावा भारत के डीपी मनु और किशोर जेना ने भी क्रमशः छठे और नौवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। डीपी मनु का बेस्ट थ्रो 81.31 मीटर रहा, वहीं जेना ने 80.55 का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। मेन्स जैवलिन थ्रो इवेंट के लिए 37 जेवलिन थ्रोअर्स में से कुल 12 खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। नीरज चोपड़ा के अलावा पाकिस्तान के अरशद नदीम और चेक रिपब्लिक के जैकब वाडलेच ही ऑटेमेटिक क्वालिफाई कर पाए। नदीम ने 86.79 मीटर का लाजवाब थ्रो किया, वहीं वाडलेच का बेस्ट अटेम्प 83.50 मीटर रहा। ऑटेमेटिक क्वालीफाई करने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क 83 मीटर था। ऐसे में डीपी मनु और किशोर जेना समेत 9 खिलाड़ियों ने टॉप-12 में फिनिश करने के चलते फाइनल में एंट्री ली। अब वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड के लिए इन 12 एथलीट्स के बीच रविवार को जंग देखने को मिलेगी। खराब फॉर्म से गुजर रहे गत विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स की जैवलिन मात्र 78.49 मीटर की दूरी ही तय कर सकी और वह विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

कोहली को बीसीसीआई ने लगाई फटकार

यो-यो टेस्ट का स्कोर सोशल मीडिया पर शेयर करना पड़ा भारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को अपने यो-यो टेस्ट का स्कोर को सोशल मीडिया पर शेयर करना भारी पड़ गया। उनकी इस गलती की वजह से पूरी टीम को बीसीसीआई की लताड़ का सामना करना पड़ा। एशिया कप से पहले बेंगलुरु के अलूर में भारतीय टीम का कैंप लगा है जहां सभी खिलाड़ियों को यो-यो टेस्ट देना अनिवार्य है।

किंग कोहली ने गुरुवार को इस टेस्ट में 17.2 स्कोर हासिल किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस के साथ यह स्कोर शेयर किया। उनकी इस हरकत के बाद बीसीसीआई ने अन्य खिलाड़ियों को ऐसा करने से रोका और यो-यो टेस्ट का स्कोर सार्वजनिक रूप से साझा करना कॉन्ट्रैक्ट क्लॉज का उल्लंघन बताया जा रहा है। विराट कोहली

द्वारा यो-यो टेस्ट का स्कोर शेयर किए जाने के बाद अन्य खिलाड़ियों को टीम मैनेजमेंट द्वारा यो-यो टेस्ट के स्कोर सार्वजनिक करने से मना किया गया है। इस मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, खिलाड़ियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी गोपनीय मामले को पोस्ट करने से बचने के लिए मौखिक रूप से सूचित किया गया है।

यो-यो टेस्ट में शुभमन गिल शीर्ष पर रहे

भारतीय टीम के खिलाड़ी 31 अगस्त से शुरु हो रहे एशिया कप से पहले नियमित फिटनेस परीक्षण से गुजर रहे हैं जिसमें युवा शुभमन गिल यो-यो परीक्षण में 18.7 के स्कोर से शीर्ष पर रहे। यो-यो परीक्षण कराने वाले सभी क्रिकेटरों ने 16.5 का कट-ऑफ स्तर पार कर लिया है। विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के अनुसार 17.2 का स्कोर बनाया। जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (रिजर्व सदस्य) और केएल राहुल इन पांच क्रिकेटरों को छोड़कर सभी इस टेस्ट को कर चुके हैं। बीसीसीआई ने यह फिटनेस कम अनुकूलन शिविर का आयोजित किया है क्योंकि अक्टूबर में होने वाले विश्व कप से पहले यही एकमात्र विंडो थी। अगर खिलाड़ियों के पास दो टूर्नामेंट के बीच समय रहता है तो एनसीए खेल स्टाफ के साथ मिलकर सभी अनिवार्य परीक्षण करती है।

एशियाई खेलों में भारत उतारेगा 634 एथलीट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय खेल मंत्रालय ने हांग्झोउ एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 634 एथलीटों को चुना है। मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने मंत्रालय के समक्ष 850 एथलीटों की सिफारिश की थी, जिनमें से 38 खेलों में इन 634 नामों को चुना गया।

साल 2018 में एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में कुल 572 एथलीटों ने भाग लिया था, जहां भारत 16 स्वर्ण सहित 70 पदक जीतकर लौटा था। भारत एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा की अगुवाई में 34 पुरुषों और 31 महिलाओं सहित 65 प्रतिभागी उतारेगा। जलक्रीड़ा (एक्वाटिक्स) में 22 जबकि तीरंदाज़ी में 16 खिलाड़ी भारतीय ध्वज संभालेंगे। कुश्ती में 18 पहलवान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हाल ही में फिडे विश्व कप में रजत पदक जीतने वाले रमेशबाबू प्रज्ञानंद सहित 10 भारतीय शतरंज में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारोत्तोलन में सिर्फ मीराबाई चानू (49 किग्रा) और बिंद्यारानी देवी (55 किग्रा) की एशियाड में तिरंगे के तले खेलेंगी। इस बार एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे ई-स्पोर्ट्स में भारत ने 15 खिलाड़ियों को उतारने का निर्णय लिया है।

पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन ब्रे वायट का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जो ब्रे वायट के नाम से मशहूर तीन बार के डब्ल्यूडब्ल्यूई विश्व चैंपियन विंडहैम रोटुंडा का 36 वर्ष की आयु में हार्ट अटैक से निधन हो गया। डब्ल्यूडब्ल्यूई अधिकारी ट्रिपल एच ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

ट्रिपल एच ने एक्स पर लिखा, अभी डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम माइक रोटुंडा का फोन आया, जिन्होंने हमें दुखद खबर दी कि हमारे डब्ल्यूडब्ल्यूई परिवार के आजीवन सदस्य विंडहैम रोटुंडा का शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से निधन हो गया। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं और हम चाहते हैं कि इस समय हर कोई उनकी निजता का सम्मान करे। हालांकि, उनकी मौत का मुख्य कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। ब्रे वायट को इस साल की शुरुआत में कोविड हो गया था, जिससे दिल की समस्याएं बढ़ गईं और यही कारण है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा और गुरुवार को उनका निधन हो गया। ब्रे वायट के परिवार में उनकी मंगेतर, उनके चार बच्चे, भाई बो डलास और बहन मिका हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने रेसलर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, रिंग में अपने प्रदर्शन और अविश्वसनीय उपस्थिति के लिए जाने जाने वाले ब्रे वायट, अपनी पीढ़ी के एक सुपरस्टार थे।

दूसरी बार पिता बने युवराज सिंह, पत्नी हेजल ने बेटी को दिया जन्म

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह दूसरी बार पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी हेजल कीच ने प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। युवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के साथ पूरे परिवार की तस्वीर शेयर की और पिता बनने की खबर अपने फैंस को दी।

युवराज सिंह और एक्ट्रेस हेजल कीच ने 30 नवंबर 2016 को शादी की थी। इससे पहले 25 जनवरी 2022 को युवराज सिंह और हेजल ने सोशल मीडिया से अपने पहले बच्चे के आने की घोषणा की थी। युवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, बिना सोए बीती रातें अब और खुशनुमा हो गई हैं, हम अपनी छोटी राजकुमारी औरा का स्वागत करते हैं, जिससे फैमिली पूरी हो गई। युवराज सिंह ने 10 जून 2019 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। युवराज ने भारत के लिए 40 टेस्ट, 304 वनडे और 58 टी20 मैच खेले हैं।

सात्विक-चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बाहर

विश्व चैंपियनशिप: क्वार्टरफाइनल में मेजबान डेनमार्क की जोड़ी ने दी मात

कोपनहेगन,(एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में मेजबान डेनमार्क के किम एस्ट्रुप और एंडर्स रासमुसेन से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। साल 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जोड़ी इस बार क्वार्टरफाइनल की बाधा पार नहीं कर सकी।

रासमुसेन-एस्ट्रुप की जोड़ी ने 48 मिनट चले मुकाबले में भारतीय युगल को 21-18, 21-19 से हराया। विश्व की नंबर दो भारतीय जोड़ी ने इससे पहले रासमुसेन-एस्ट्रुप को छह में से पांच बार हराया था, हालांकि घरेलू दर्शकों के सामने डेनमार्क की इस जोड़ी ने मज़बूत शुरुआत की। सात्विक-चिराग की अप्रत्याशित गलतियों की बदौलत रासमुसेन-एस्ट्रुप ने ब्रेक

तक 11-6 की मज़बूत बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी की कोशिशों के बावजूद रासमुसेन-एस्ट्रुप पहला गेम 21-18 से जीतने में सफल रहे। मेज़बान जोड़ी का आक्रामक रवैया दूसरे गेम में भी बरक़रार रहा और उन्होंने इस बार ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सात्विक-चिराग के बीच अधिक समन्वय देखने को मिला। भारतीय जोड़ी जब 14-10 से पीछे थी तब उन्होंने अगले पांच में से चार पॉइंट अपने पक्ष में करते हुए स्कोर 15-15 पर बराबर कर लिया। मेज़बान युगल ने एक पॉइंट की बढ़त ली लेकिन सात्विक ने नेट पर अपने विपक्षियों से गलती करवाते हुए स्कोर बराबर रखा। भारतीय जोड़ी ने इस समय तक अच्छी वापसी की थी लेकिन एस्ट्रुप-रैसमुसन ने अधिक अनुशासन दिखाकर 18-16 की बढ़त बनायी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पुरुष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय अब विश्व चैंपियनशिप में एकमात्र भारतीय बचे हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम की विजयी शुरुआत

ओमान, (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर की दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले मैच में मलेशिया को 7-2 से रौंद दिया।

विश्व कप क्वालीफायर में मलेशिया को हराया

भारत की इस एकतरफा जीत में कप्तान नवजोत कौर (तीसरा, 28वां मिनट) और मोनिका टोप्पो (12वां, 20वां मिनट) ने दो-दो गोल किये, जबकि अक्षता धेकाले (चौथा मिनट), मरियाना कुजुर (17वां मिनट) और महिमा चौधरी (28वां मिनट) ने एक-एक गोल का योगदान दिया। मलेशिया की ओर से वान वान (सातवां मिनट) और अजीज जाफरिह (11वां मिनट) ही गोल कर सकीं। भारत ने खेल के छोटे प्रारूप में आक्रामक शुरुआत की और उसका खेलने का तेजतर्रार तरीका मलेशिया पर भारी पड़ा।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के ट्रायल में जीतीं अंतिम पंघाल

पटियाला, (एजेंसी)। अंतिम पंघाल ने पटियाला में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ट्रायल जीतकर एक बार फिर देश के शीर्ष पहलवानों में से एक के रूप में उभरने की पुष्टि की। वहीं दिव्या काकरान और सरिता मोर ने एशियाई खेलों के ट्रायल में हार की निराशा से उबरते हुए वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की की। अंतिम (53 किग्रा) हाल ही में अम्मान (जॉर्डन) में अंडर-20 विश्वकप में अपने खिताब का बचाव करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थी। उसने पिछले महीने एशियाई खेलों का ट्रायल भी जीता था। ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में मंजू, पूजा जाट और रजनी ने भी चुनौती पेश की थी लेकिन 16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाले विश्व चैंपियनशिप के लिए अंतिम ने बाजी मारी। विजेता सरिता ने 57 किग्रा में ट्रायल में मानसी अहलावत से मिली अप्रत्याशित हार के बाद यहां शानदार वापसी करते हुए विश्व चैम्पियनशिप का ट्रायल जीतकर टीम में जगह भी पक्की कर ली।

पार्टनर संग इन रोमांटिक जगहों पर बनाएं घूमने का प्लान, साथ में बिता सकेंगे क्वालिटी टाइम

अगस्त के महीने में देश के अलग-अलग राज्यों में रिमझिम बारिश होती रहती है। वहीं रिमझिम बारिश के चलते मौसम काफी सुहावना हो जाता है। मानसून में कुछ जगहें बेहद खूबसूरत और रोमांटिक नजारा पेश करती हैं। वहीं कपल्स का भी यह सपना होता है कि वह किसी रोमांटिक जगह पर घूमने के लिए जाएं। ऐसे में अगर आप भी अपने पार्टनर के साथ किसी रोमांटिग जगह पर जाने की सोच रही हैं, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। हम आपको कुछ ऐसी खूबसूरत और रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ आराम से क्वालिटी टाइम स्पेंड कर सकते हैं।

मालशेज घाट- पार्टनर संग हसीन पल बिताने के लिए आप अगस्त के महीने में मालशेज घाट जा सकते हैं। यह महाराष्ट्र की सबसे खूबसूरत और हसीन जगह है। कपल्स नेचर लवर्स के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। अगस्त के महीने में रिमझिम बारिश इस जगह को और भी खूबसूरत बना देती है। आप यहां पर पार्टनर के साथ कुछ हसीन पल बिताने के साथ ही ट्रैकिंग का भी आनंद उठा सकते हैं। यहां पर आप अजोबा पहाड़ी किला, मालशेज वॉटरफॉल और पिंपलगांव जोगा बांध जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर करना ना भूलें।

कुमारकोम- दक्षिण-भारत के केरल राज्य में घूमने के लिए कई खूबसूरत और हसीन जगहें हैं। लेकिन अगर आप अपने पार्टनर के साथ केरल को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको कुमारकोम जरूर जाना चाहिए। बता दें कि कई छोटे-छोटे द्वीपों से मिलकर बना कुमारकोम केरल का एक रोमांटिक डेस्टिनेशन है। यहां पर आप बैकवाटर, पारंपरिक व्यंजन, धान के खेत और हसीन दृश्यों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह जगह रोमांटिक रिसॉर्ट्स के लिए भी जाना जाता है। यहां पर आप कुमारकोम नेशनल पार्क, कुमारकोम बैकवाटर्स, वेम्बानाड झील और कुमारकोम बीच जैसी जगहों पर घूमने का लुत्फ उठा सकते हैं।

नागौर में घूमने की जगहें- राजस्थान में आप जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर या माउंट आबू जैसी फेमस जगहों पर तो कई बार घूमने के लिए गए होंगे। लेकिन अगर आप अपने पार्टनर के साथ किसी शांत व रोमांटिक जगह पर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको नागौर जरूर पहुंचना चाहिए। अजमेर से 149 किमी की दूरी और रेगिस्तान के बीच स्थित नागौर शहर ऐतिहासिक और मनमोहक शहर है। यहां पर आप दीपक महल, अमर सिंह स्मारक, खिमसर किला, नागौर किला और सैंड ड्यून विलेज जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

मचुर्ला- अगर आप भी अपने हमसफर के साथ उत्तराखंड की हसीन वादियों में समय बिताना चाहते हैं, तो आपको मसूरी और नैनीताल की जगह मचुर्ला पहुंचना चाहिए। नैनीताल से करीब 99 किमी की दूरी पर स्थित मचुर्ला नेचर लवर्स के लिए जन्नत से कम नहीं है। यहां की खूबसूरती का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि इस जगह पर कई टीवी शो और फिल्मों की भी शूटिंग हो चुकी है। हिमालय की पहाड़ियों के घिरा यह शहर बेहद हसीन नजारे प्रस्तुत करता है। यहां पर आप बारसी गांव, मगरमच्छ व्यू पॉइंट, रामनगर नदी और गर्जिया देवी मंदिर आदि घूम सकते हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

इंटर स्कूल नेट बाल एवं टारगेट बाल प्रतियोगिता में 15 स्कूलों के बालक-बालिकाओं ने लिया हिस्सा

भोपाल,(खेसं)। 14,17 एवं 19 वर्ष के आयु वर्ग के लिए इंटर स्कूल नेट बाल एवं टारगेट बाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन मक्सी (मिसरोद) स्थित लीलावती इंटरनेशनल स्कूल में दिनांक 24 एवं 25 अगस्त को किया गया। जिसमें भोपाल के लगभग 15 स्कूलों के बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। इस खेल प्रतियोगिता सेंट रॉफेल को-एड स्कूल, एवम् स्कूल, लीलावती इंटरनेशनल स्कूल, सीएल आर्य स्कूल, जीनियस कॉन्वेंट स्कूल, एमजीएम स्कूल, डीएवी स्कूल सहित अन्य स्कूलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मधु पांसे (संचालक), शेफाली पटेल (प्राचार्य), संयोजक प्रवीण सिंह (शासकीय स्कूल मिसरोद) ने किया।

28 वां नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स अवॉर्ड 21 सितंबर को

भोपाल,(खेसं)। 28 वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स (एनएसटी) खेल अवॉर्ड समारोह का आयोजन 21 सितंबर 2023 को एलएनसीटी सभागृह जे के अस्पताल कोलार रोड भोपाल में किया जाएगा। समारोह में देश-प्रदेश के 30 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। गत वर्ष भी समारोह में 30 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया था। अवॉर्ड की घोषणा 10 सितंबर-2023 को की जाएगी। नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के संपादक एवं आयोजन सचिव इंद्रजीत मौर्य ने बताया कि खेल समारोह में स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर, खेल रत्न, श्रेष्ठ खिलाड़ी, प्रतिभा खिलाड़ी, लाइफ टाइम, प्रशिक्षक, खेल प्रमोटर, खेल पत्रकार एवं खेल संस्थानों स्कूल, कॉलेज एवं क्लब को अवॉर्ड दिया जाएगा। कार्यक्रम में खिलाड़ियों को अवॉर्ड, सम्मान पत्र, शाल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

उपलब्धि दूसरी बार पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई, 45 देशों की टीमें ले रहीं हिस्सा

मप्र वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की प्राची यादव ने रचा इतिहास

भोपाल, (खेसं)। मध्य प्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की होनहार पैरा कैनो खिलाड़ी प्राची यादव ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्राची ने जर्मनी के ड्युसबर्ग में आयोजित पैरा कैनो वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर पेरिस पैरालंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है।

इसके अलावा पूजा ओझा ने अपने इवेंट में रजत पदक जीता है, लेकिन यह पैरलंपिक इवेंट नहीं था। भारत के सभी टीम व खिलाड़ियों ने फाइनल तक पहुंचकर भारत का नाम रोशन किया है। इस चैंपियनशिप में पैरा इवेंट में 45 देशों की टीमें भाग ले रही है। भारत की प्राची यादव केएल 2 ए इवेंट के फाइनल मुकाबले में पानी में उतरी थी, उन्होंने इसमें शानदार प्रदर्शन किया और चौथा स्थान पाया, वह इसमें पदक जीतने में

सफल नहीं रही, लेकिन पेरिस पैरालंपिक के लिए क्वॉलीफाइ करने में सफल रही है। इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में शीर्ष छह खिलाड़ियों को पैरालंपिक का टिकट मिलता है। प्राची इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्वकर चुकी है।

खेल मंत्री सिंधिया ने दी बधाई

खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने मध्य प्रदेश वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी की नंबर वन केनो खिलाड़ी प्राची यादव को पैरालंपिक में क्वॉलीफाई करने की बधाई दी है। उन्होंने प्राची को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके इस मुकाम को हासिल करने से कई अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। यह दूसरी बार है जब प्राची ने ओलंपिक्स में क्वॉलिफाई कर अपनी स्थिरता और धैर्य का परिचय दिया है।

आईलाइनर को लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए फॉलो करें ये हैक्स, मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

शायद ही कोई ऐसी लड़की होगी, जिसे मेकअप करना पसंद नहीं होगा। वहीं मेकअप के कई सारे प्रोडक्ट मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं। इन प्रोडक्ट्स पर लॉन्ग लास्टिंग लिखा होता है। जिनमें से कुछ प्रोडक्ट तो काफी अच्छे चलते हैं, तो वहीं कुछ प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने के थोड़े समय बाद ही वह स्मज होने लगते हैं। दिन खत्म होने के साथ ही स्किन का ग्लो भी खत्म होने लगता है। ऐसा ही एक प्रोडक्ट आईलाइनर है। हालांकि आईलाइनर चूज करते समय लड़कियां काफी सावधानी बरतती हैं। लेकिन उसके बाद भी आईलाइनर कम समय तक ही आंखों पर टिक पाता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करने पर आपका आईलाइनर लंबे समय तक टिकेगा।

आंखों को करें प्रेप- जब भी हम आईलाइनर अप्लाई करते हैं, तो प्रयास करते हैं कि यह सही लगने के साथ ही आंखों पर लंबे समय तक टिका रहे। इसके लिए आपको अपनी आंखों को प्रेप करना चाहिए। इसके लिए आप अच्छे से प्राइमर और लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। इसको लगाने से पहले अपनी त्वचा को अच्छे से प्रेप करें। फिर लूज पाउडर से इसको सेट करें। इसके बाद आंखों पर आईलाइनर का इस्तेमाल करें। इस तरीके से आईलाइनर लंबे समय तक आपकी आंखों पर टिका रहेगा।

अप्लाई मैट कंसीलर- अगर आप चाहती हैं कि आपकी आंखों पर भी आइलाइनर लंबे समय तक टिका रहे। तो इसके लिए आप आंखों पर मैट कंसीलर का इस्तेमाल करें। इसे अप्लाई करने से अच्छा बेस बनेगा और आईलाइनर लंबे समय तक आंखों पर टिका रहेगा। इसके लिए आपको अपनी आंखों पर कंसीलर अप्लाई करना होगा। फिर कंसीलर को ब्लेंडर की मदद से सेट कर लें। इसके बाद आईलाइनर अप्लाई करें। इस तरह से आपका लुक रेडी होने के साथ लॉन्ग लास्टिंग रहेगा।

लाइनर की करें लेयर- जब भी हम आंखों पर आईलाइनर अप्लाई करते हैं, तो कई लेयर लगाने हैं। वहीं कई बार ऐसा नहीं भी करते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है, क्योंकि किसी को पतला आईलाइनर पसंद होता है, तो किसी को मोटा आईलाइनर पसंद होता है। पतला आईलाइनर लगाने की वजह से यह आंखों पर लंबे समय तक नहीं लगा रहता है। ऐसे में आप हमेशा लेयर करके आईलाइनर अप्लाई करें। इससे आंखों पर आईलाइनर लंबे समय तक टिकेगा।

फेस आइसिंग से सालों-साल जवां रहेगी त्वचा, हेल्दी और ग्लोइंग बनेगी स्किन

स्किन केयर और मेकअप ये दोनों चीजें हम सभी लगभग रोजाना करते हैं। इसके लिए बाजार में कई सारे प्रोडक्ट्स भी मिल जाते हैं। लेकिन इसके अलावा भी एक ऐसी चीज है, जिसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा को अनगिनत लाभ होते हैं। बता दें कि आइसिंग करने से हमारी स्किन को लाभ मिलता है। आपने भी सुना होगा कि प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट अपने क्लाइंट का मेकअप करने से पहले स्किन पर आइसिंग का इस्तेमाल करते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि मेकअप से पहले आइसिंग करने से आपकी त्वचा को क्या-क्या लाभ मिलते हैं। चेहरे की स्किन पर आइस का इस्तेमाल करने से नाक और आस-पास की जगहों पर मौजूद पोर्स का साइज छोटा हो जाता है। आइसिंग करने से आपको पोर्स को मिनीमाइज करने के लिए एक्स्ट्रा पोर प्राइमर या किसी अन्य चीज की जरूरत नहीं पड़ती है। आप अगर मेकअप या स्किन केयर से 30 मिनट पर फेस पर आइसिंग करती हैं, तो पोर्स का साइज छोटा हो जाता है। आप चाहें तो बर्फ को सीधे तौर पर लगा सकती हैं, या फिर बर्फ को किसी कपड़े में लपेटकर भी फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। चेहरे पर आइसिंग करने के कई लाभ होते हैं। हमारे फेस पर सबसे ज्यादा नाजुक त्वचा अंडरआई स्किन होती है। अंडरआई स्किन का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। अंडरआई स्किन के लिए आपको मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाएगी। लेकिन आंखों के नीचे मौजूद अंडरआई बैग यानी पफी आईज से राहत पाने के लिए आइसिंग का इस्तेमाल सबसे अच्छा होता है। अगर मेकअप से पहले आपकी आंखें सूज गईं हैं और आप एकदम फ्रेश दिखना चाहती हैं, तो आप अंडरआई स्किन पर भी बर्फ लगा सकती हैं। हेल्दी और जवां दिखने के लिए आपकी स्किन में कसाव होना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए आप अपने फेस पर आइसिंग कर सकती हैं। जैसा कि आपको पता होगा कि मेकअप प्रोडक्ट स्किन के लिए काफी ज्यादा हानिकारक होते हैं। ऐसे में मेकअप से पहले कुछ ऐसे टिप्स फॉलो करने चाहिए। जिससे आपकी स्किन हेल्दी और लंबे समय कर फेस एजिंग साइंस न दिखें। बता दें कि फेस पर आइसिंग करने से नेचुरली ग्लो आता है। फेस पर आइसिंग करने से मेकअप प्रोडक्ट का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा।

बिना जिम जाएं खुद को इस तरह रखें फिट

आज के समय में हर कोई फिट रहना चाहता है, लेकिन बिना मेहनत किए तो ये संभव ही नहीं हैं। फिट रहने के लिए आपको सिर्फ अपने खान-पान ही नहीं बल्कि अपने पूरे लाइफस्टाइल का ध्यान रखना बेहद जरुरी है। हालांकि कुछ लोग जिम जाकर अपनी फिटनेस को मेंटेन रखते हैं, लेकिन कुछ लोग जिम जाने में भी आलस करते हैं। वहीं, कुछ लोगों के पास जिन जाने का समय ही नहीं होता है। इसलिए आज हम

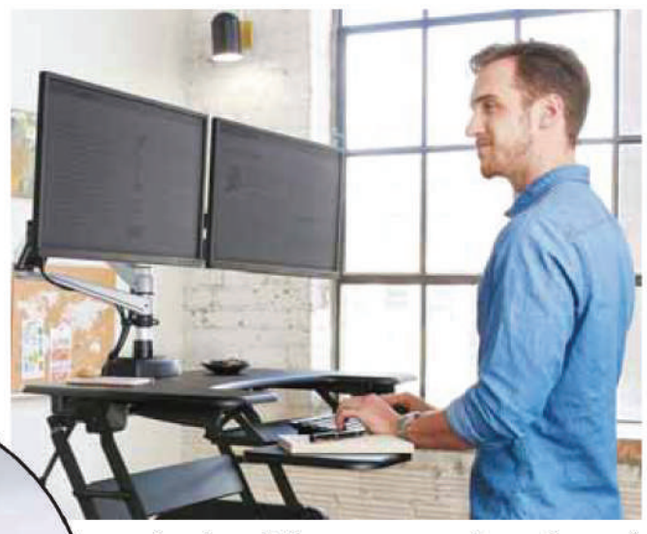

आपको बताने जा रहे हैं कि आप घर बोठे कैसे खुद को फिट रख सकते हैं। चलिए जान लेते हैं।

ज्यादा से ज्यादा सीढ़ियां चढ़ें

अगर आप भी बिना जिम जाए फिट रहना चाहते हैं, तो इसके लिए आप सीढ़ियां चढ़-उतर सकत हैं।

दरअसल, दिन भर में जमा हुई कैलोरी को जलाने के लिए ये सबसे आसान तरीका होता है। इससके आपके पैरों को तो फायदा मिलता ही है। साथ ही ये पूरी शरीर के लिए बेहतर होता है। इसके करने से जोड़ो पर भी तनाव नहीं पड़ता है।

कम दूरी वाली जगह पर पैदल जाएं

अक्सर देखा जाता है कि कुछ दूर जाने के लिए भी लोग बाइक या स्कूटी का इस्तेमाल करते हैं, जो सेहत के लिए सही नहीं माना जाता। अगर आपको बहुत ज्यादा दूर नहीं जाना है तो आप पैदल चलकर जाएं। इससे आपके शरीर को लाभ होगा।

खड़े होकर काम करें

कहा जाता है कि ज्यादा बैठने से शरीर में कई तरह की बीमारियां होती है। इसलिए जिन कामों को खड़े होकर किया जा सकता है, उन्हें खड़े होकर करें। ऐसा करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

खाली टाइम पर डांस करें

अगर आपको डांस करने का शौक है तो यह भी आपकी हेल्थ के लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है। हर दिन कुछ मिनट तक डांस करने से हमारी बॉडी पर पॉजिटिव असर देखने को मिलता है।

अपने मील को सुधारे

फिट रहने के लिए सबसे जरूरी खान-पान होता है।

शरीर के लिए प्रोटीन, विटामिंस, कार्बोहाइड्रेट और अन्य पोषक तत्वों बहुत जरुरी होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में मौसमी फल और सब्जियों को शामिल करें औ बाहर का खाना छोड़ दें और ओवरईटिंग से बचें।

चेहरे पर बर्फ लगाने के हैं बड़े फायदे

जब त्वचा की देखभाल की बात आती है, तो हर कोई चाहता है कि उनका चेहरा बेदाग हो, इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। यूवी रेडिएशन, वायु प्रदूषण, अनहेल्दी जीवनशैली और तनाव हमारे चेहरे की खूबसूरती को कम करते हैं। इससे मुंहासे, चेहरे पर महीन रेखाएं और झुर्रियों के साथ रूखी त्वचा जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

फेस आइसिंग हेल्दी, चमकदार और पिंपल फ्री स्किन पाने के सबसे आसान तरीकों में से एक है। हालांकि, आज कल बाज़ार में स्किन केयर के कई प्रोडक्ट मिलते हैं, आप बिना पैसे खर्च किए घर बैठे इस उपाय से अपने चेहरे पर निखार ला सकती हैं।

मुंहासे को ठीक करता है

बर्फ लगाने से सूजन कम होती है, जो मुंहासों को कम करने और ठीक करने में मदद करते हैं। यह स्किन में होने वाली सूजन को शांत करती है और आपके छिद्रों के आकार को भी बढ़ने से रोकती है।

चेहरे को चमकदार बनाता है

चेहरे पर बर्फ लगाने से भी आपको बिना किसी ब्लश या हाइलाइटर के चमकदार स्किन पाने में मदद मिल सकती है। चेहरे पर बर्फ रगड़ने से आपकी त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, जिससे ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है और त्वचा में प्राकृतिक चमक आती है।

आंखों की सूजन को कम करता है

चेहरे पर नियमित रूप से बर्फ लगाने से चेहरे की सूजन कम होती है। इस प्रकार, यह आंखों के नीचे होने वाली सूजन को कम करती है।

सनबर्न और रैशेज से आराम दिलाएं

बर्फ लगाना सनबर्न का इलाज करने का एक शानदार तरीका है, क्योंकि ऐसा करने से धूप के कारण होने वाली लालिमा और सूजन से छुटकारा पाने में मदद करके आपकी त्वचा को आराम मिलता है।

डार्क सर्कल कम करने में मददगार

फेस आइसिंग से डार्क सर्कल की समस्या खत्म होती है। आप थोड़ा सा गुलाब जल में खीरे का रस मिला सकते हैं। इस मिश्रण को फ्रीज में कुछ देर रखें और फिर बर्फ के टुकड़े को अपनी आंखों के नीचे लगाएं।

इसे कुछ दिन तक लगातार करते रहें, आपको डार्क सर्कल से राहत मिल सकती है।

डेंगू बुखार का पता लगाने के लिए कराये ये टेस्ट

इन दिनों देश के हर हिस्से में डेंगू का प्रकोप बढ़ गया है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो डेंगू वायरस से संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलती है। एडीज नाम का एक मच्छर जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो वह डेंगू बुखार का शिकार हो जाता है। इसके लक्षण आमतौर पर फ्लू जैसे ही होते हैं, लेकिन गंभीर डेंगू जानलेवा बन जाता है। मच्छर तब संक्रमित हो जाता है जब वह किसी ऐसे व्यक्ति को काटता है, जिसके ब्लड में डेंगू वायरस होता है। यह सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैल सकता।

डेंगू बुखार के लक्षण

डेंगू के लक्षण, जो आमतौर पर संक्रमण के चार से छह दिन बाद शुरू होते हैं और 10 दिनों तक रहते हैं।

-अचानक, तेज बुखार।
-गंभीर सिरदर्द।
-आंखों के पीछे दर्द।
-जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द।
-थकान।
-जी मिचलाना।
-उल्टी करना।
-शरीर में खुजली होन।
-त्वचा पर दाने, जो बुखार शुरू होने के दो से पांच दिन बाद दिखाई देते हैं।
-हल्का रक्तस्राव (जैसे नाक से खून आना, मसूड़ों से खून आना, या आसानी से चोट लगना)।

डेंगू बुखार का पता कैसे किया जाता है?

डेंगू बुखार का पता ब्लड टेस्ट से किया जाता है। इस प्रक्रिया में, आपकी नस से ब्लड का नमूना लिया जाता है और डेंगू वायरस के लक्षण देखने के लिए इसे लैब में भेजा जाता है। इससे यह भी पता चल सकता है कि आपको यह वायरस है या नहीं।

शिशुओं और गर्भवती महिलाओं में गंभीर डेंगू विकसित होने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। यह जोखिम उन लोगों के लिए भी होता है, जिन्हें पहले डेंगू हो चुका है और फिर दोबारा हो गया है। इसलिए अगर आप किसी ऐसे क्षेत्र में रहने के बाद लक्षण महसूस करते हैं जहां वायरस आम है तो डेंगू बुखार का टेस्ट करवाना बहुत जरूरी है।

डेंगू बुखार के ब्लड टेस्ट के दो मुख्य प्रकार हैं

एंटीबॉडी टेस्ट

ये एंटीबॉडी हमारा इम्यून सिस्टम वायरस और अन्य कीटाणुओं से लड़ने के लिए बनाता है। हमारे शरीर को डेंगू से लड़ने के लिए इन एंटीबॉडी को बनाने में वक्त लगता है और समय की आवश्यकता होती है। इसलिए, यह टेस्ट एक दम सही तक होते हैं, जब ये डेंगू लक्षण शुरू होने के चार दिन या उससे अधिक समय में किए जाएं।

मॉलिक्यूलर टेस्ट

इस प्रक्रिया में, आपके ब्लड सैंपल में डेंगू वायरस से जेनेटिक मेटिरियल की जांच की जाती है। पीसीआर टेस्ट एक प्रकार का मॉलिक्यूलर टेस्ट है जिसका उपयोग डेंगू की जांच के लिए किया जाता है। यह टेस्ट आपके लक्षण शुरू होने के पहले सात दिनों के दौरान किए जा सकते हैं।

घर में बीमारी को रोकने के लिए जरूर रखें ये इक्विपमेंट

अक्सर आप सभी ने देखा होगा कि हम भविष्य के लिए तैयारी करते हैं। चाहे वह व्यवसाय हो, शिक्षा हो, निवेश हो या कुछ और। हर कोई भविष्य के लिए कुछ योजनाएं बनाता है। हम आने वाले 10 दिन, 1 महीने, 1 साल के लिए कोई न कोई प्लानिंग जरूर करते हैं। योजना व्यक्ति की आवश्यकता के अनुसार बनाई जाती है। हम उन चीजों के लिए योजना बनाते हैं जो लंबी अवधि में घटित होती हैं, लेकिन इस बीच हम उन चीजों के लिए तैयार नहीं होते हैं जो हमारे साथ अचानक घटित हो सकती हैं। आपातकाल के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से तैयार हैं। यदि हम किसी भी चिकित्सीय आपात स्थिति के लिए तकनीकी रूप से तैयार हैं, तो समय आने पर हम किसी की जान बचा सकते हैं। आज हम आपको पांच ऐसे मेडिकल उपकरणों के बारे में बताने जा रहे हैं जो हर व्यक्ति के घर में जरूर होने चाहिए। दूसरी भाषा में कहें तो ये डिवाइस आपको किसी भी बड़ी मेडिकल इमरजेंसी से पहले अलर्ट कर सकते हैं और आपकी जान बचा सकते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स

प्रत्येक व्यक्ति के घर में प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स होना चाहिए। साथ ही परिवार के सभी सदस्यों को प्राथमिक उपचार के लिए आना चाहिए। प्राथमिक उपचार के अलावा आपके घर में वेट मशीन, बीपी मशीन, ग्लूकोमीटर, थर्मामीटर और

पल्स ऑक्सीमीटर भी होना चाहिए। ये सभी उपकरण किसी भी बड़ी बीमारी को रोकने और आपात स्थिति से निपटने में कारगर साबित हो सकते हैं।

वजन मशीन

मोटापा लोगों के लिए एक समस्या बन गया है। मोटापे से परेशान लोग तरह-तरह की एक्सरसाइज और डाइट प्लान फॉलो कर रहे हैं। अगर आप घर पर समय-समय पर अपने शरीर के वजन के बारे में जानना चाहते हैं तो आपके पास वेट मशीन जरूर होनी चाहिए। वजन बढ़ने या घटने की स्थिति में आप घर पर ही यह टेस्ट कर सकते हैं और इसके लिए जरूरी कदम उठा सकते हैं।

ग्लूकोमीटर

समय के साथ खान-पान, रहन-सहन और रहन-सहन में बदलाव आया है। लाइफस्टाइल में बदलाव के कारण आजकल शुगर की समस्या आम हो गई है। आपने हर 3 में से 1 परिवार में शुगर की समस्या के बारे में सुना होगा। अगर शुगर लेवल अचानक से बढ़ या घट जाए तो व्यक्ति को गंभीर समस्या हो सकती है। अगर आपके घर में किसी को ब्लड शुगर की समस्या है तो इस पर लगातार नजर रखना जरूरी है।

हैंगओवर से है परेशान तो घरेलू उपायों से पाएं छुटकारा

आजकल खुशी हो या गम ज्यादातर लोग शराब का सेवन करते हैं। कुछ लोग इतनी अधिक शराब पीते हैं जिसके कारण उन्हें अगले दिन काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आंख खुलते ही आपको थकान, उल्टी, सिरदर्द, डिहाइड्रेशन जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जिसे हैंगओवर के नाम से जाना जाता है। इस दौरान व्यक्ति खुद पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं रख पाता है। आज हम आपको बताएंगे कि हैंगओवर क्यों होता है और इससे छुटकारा पाने के कुछ घरेलू उपाय भी बताएंगे।

हैंगओवर का कारण

-पर्याप्त नींद न लेना
-डिहाइड्रेशन की समस्या
-लो ब्लड शुगर की समस्या
-सूजन

हैंगओवर से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

खाना खाएं

जब हैंगओवर होता है तो उस दौरान खाना देखते ही उल्टी जैसा महसूस होता है लेकिन इस दौरान खाने से ही राहत मिलती है। इस दौरान कुछ हल्का खाया जा सकता है। जैसे- सलाद, दही, सैंडविच।

शॉवर जरूर लें

हैंगओवर से तुरंत राहत पाने के लिए आप शॉवर लें सकते हैं। इससे आप तरोताजा महसूस करेंगे।

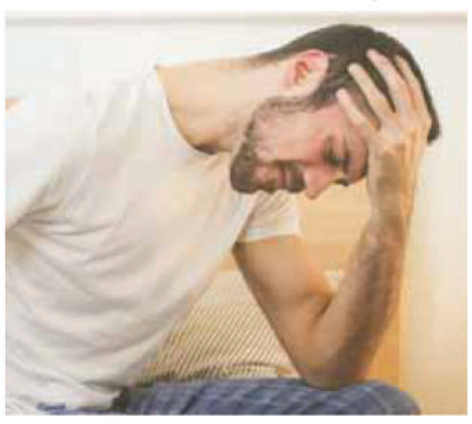

पर्याप्त नींद लें

हैंगओवर से बचने का सबसे आसान तरीका पर्याप्त नींद लेना है। शराब पीने से या तो आपको बहुत अधिक नींद आने लगती है या फिर एक बार जागने के बाद नींद गायब हो जाती है और आप पूरे दिन थकान महसूस करते हैं।

जूस और पानी पिएं

शराब पीने के बाद बार-बार यूरीन आता है और इसकी वजह से आपका शरीर तेजी से हाइड्रेट हो सकता है। इसलिए आप खूब पानी पिएं और इसके अलावा जूस भी पी सकते हैं।

नींबू पानी

अगर आपको उल्टी जैसा महसूस हो रहा है तो नींबू के रस से अच्छा कुछ नहीं है। गर्म पानी में नींबू और अदरक के टुकड़े मिलाकर पिएं। जल्द राहत मिलेगी।

नारियल पानी

नारियल पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसके सेवन से आप हैंगओवर से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं।

पुदीना

पुदीना में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो आपको कब्ज की समस्या के साथ-साथ हैंगओवर से भी छुटकारा दिला सकते हैं। गुनगुने पानी में 4-5 पुदीने की पत्तियां डालें और पिएं। जल्द राहत मिलेगी।

प्रो. वंदना सिंह ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कुलपति का लिया चार्ज

मनमानी नहीं घूमने पाएंगे विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्रों की समस्याओं का समाधान ही मेरी प्राथमिकता : कुलपति

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की दूसरी महिला कुलपति के रूप में प्रोफेसर वंदना सिंह ने चार्ज लिया और उन्हें कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने चार्ज दिलाया। इस दौरान दोनों कुलपति एक दूसरे को गले लगा कर भावुक हो गई। प्रो निर्मला एस मौर्य ने कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि जो भी मेरे अधूरे कार्यो को पूरा कराया जाए। इसके बाद कुलपति ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि छात्र हित उनकी समस्याओ का समाधान ही सर्वोपरि होगी, शिक्षा व्यवस्था, संसाधन गुणवत्ता सुधार ही मेरी प्राथमिकता होगी। छात्रों को किसी तरह की परेशानी न हो । उसके लिए पठन-पाठन नियमित क्लास पर जोर दिया जायेगा। इस विश्वविद्यालय परिसर के शिक्षक मनमानी घूम नहीं पाएंगे उन्हें रेगुलर अपनी उपस्थिति क्लास मे दर्ज करानी होगी। पढाने से कतराने वालो को चिन्हित कर कार्रवाई होगी। और छात्रों की उपस्थिति देखी जाएगी।

महाविद्यालयो की भी प्रगति रिपोर्ट जाएगी। समय-समय पठन-पाठन डेवलपमेंट की रिपोर्ट लिया जाएगा। किसी लापरवाही से समझौता भी नहीं किया जाएगा । पठन-पाठन व्यवस्था में सभी तरह के सुधार किए जाएंगे। अनुसंधान शोध लाइब्रेरी स्किल डेवलपमेंट प्लेसमेंट आंतरिक सुधार पर फोकस किया जाएगा। नैक मूल्यांकन पर उन्होंने कहा कि इसके लिए अभी सारी बिंदुओं पर जानकारी कर उसे पर जो आवश्यक कदम होंगे उठाए जाएंगे। परीक्षा मूल्यांकन व्यवस्था में जो भी कमियां होगी उसमें सुधार किया जाएगा। अब बच्चों के रिजल्ट समय से नियमित घोषित होंगे ।अभी हमने चार्ज लिया है सभी तरह की जानकारी करके शिक्षा गुणवत्ता उच्च स्तर पर ले जाने के लिए हर संभव काम किए जाएंगे। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार , वित्त अधिकारी संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, दीपक सिंह बबीता सिंह, प्रो बीवी तिवारी, प्रो अजय द्विवेदी, प्रो राकेश कुमार यादव ,प्रो एके श्रीवास्तव, प्रो संतोष कुमार प्रो अजय प्रताप सिंह, प्रो प्रमोद कुमार यादव ,डा राज बहादुर यादव,डा दिग्विजय सिंह राठौर, प्रोफेसर सौरभ पाल,डा सुनील सोनकर, डा अमित वत्स,डा धीरज सिंह, डा गिरधर मिश्र , पूर्व महामंत्री डा स्वतंत्र कुमार,नन्द किशोर सिंह, महामंत्री रमेश यादव, श्री नाथ यादव, मनीष वर्मा मौजूद रहे। इसके पूर्व कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह को जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्रा ने चौकिया शीतला देवी का दर्शन करवाया और दर्शन करने के बाद वह सीधे विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस लेकर पहुंचे उसके बाद सभी शिक्षकों का उनसे परिचय कराया गया।

अनुसूचित जाति की जमीन कब्जा करने के मामले में सपा का प्रतिनिधिमंडल मड़वा पहुंच पीड़ित महिलाओं से किया मुलाकात

प्रखर मिजार्पुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने लालगंज थाना क्षेत्र के रामपुर मड़वां गॉव में हुए अनुसूचित जाति के पट्टे के जमीन पर कब्जा कर निर्माण करने व महिला के साथ मारपीट करने पर समाजवादी पार्टी ने गंभीरता से लिया है। जिलाध्यक्ष श्री चौधरी के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल रामपुर मड़वा गॉवं पहुॅचकर पीड़ित महिलाओं से मिलकर मामले की जॉच की। श्री चैधरी ने कहा कि सोमवार को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से मिलकर कार्यवाही की मॉग की जायेगी ।प्रतिनिधिमण्डल में:- जिला उपाध्यक्ष रामजी मौर्या, जिला महासचिव आदर्श यादव, सतीश मिश्रा, हरिशंकर यादव, सियारााम जैसल, बब्बू चमार, रमाकांत गौतम, अरशद अली, जमाल अहमद आदि शामिल है। जॉच रिपोर्ट आने पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि महिला के साथ मारपीट करना अनुचित है कार्यवाही होनी चाहिए। अन्यथा समाजवादी पार्टी आन्दोलन करेगी।

संक्षिप्त खबरें

स्वामी ओमा दी अक से मिले अभिनेता पंकज त्रिपाठी

प्रखर वाराणसी। काशी में अस्सी घाट पर अपने शतायु पिता के अस्थि विसर्जन के पश्चात राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मानित अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने डुमराव बाग स्थित वेदनिधि आश्रम में अध्यात्ममूर्ति स्वामी ओमा दी अक से मिले। यहां उन्होंने ने ब्राह्मण बटुकों से संस्कृत श्लोक सुनते हुए भारतीय दर्शन में मृत्यु संबंधित विषय पर चर्चा की और गीता उपनिषदों में जीवन के संदर्भ में चर्चा की। चर्चा में मुख्य रूप से काशी के विद्वान रतिशंकर त्रिपाठी स्वामी ओमा के साथ शामिल हुए। उपस्थित लोगों में वेदनीधी के अविनाश, हितेश, साकिब भारत और विकास भी थे। ज्ञात हो कि पंकज त्रिपाठी को कल ही राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा हुई है। और उनकी नई फिल्म ओ माय गॉड २ पूरे देश में धूम मचा रही है।

लकड़ी के सहारे एच0टी0 लाइन की आपूर्ति, दुर्घटना की आशंका

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के जमसड़ा धुमनीबारी कुटिया नहर के पास जर्जर लकड़ी के सहारे 11हजार वोल्टेज हाई टेंशन तार की सप्लाई बिजली विभाग द्वारा की जा रही है। बरसात के मौसम में लकड़ी जर्जर हो चुकी है इसके चलते कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। बिजली विभाग भविष्य के आशंकाओं से नजर अंदाज होकर एच०टी० तार को लोहे के क्लैंप के सहारे ना ले जाकर लकड़ी पर इंसुलेटर के सहारे ले जाया गया है। वह लकड़ी भी अब जर्जर हो चुकी है। वहीं नहर रोड से तार की ऊंचाई भी काफी कम है नहर रोड पर हमेशा अवागमन होने से किसी भी समय लकड़ी का लगा क्लैंप टूटकर बड़ी घटना को अंजाम देसकता है। इस नहर रोड से कई गांव के लोगों का आना जाना लगा रहता है लोगों ने बिजली विभाग का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जर्जर लकड़ी के क्लैंप को बदलने की मांग की है।

सर्पदंश से महिला की मौत

प्रखर रामपुर मांझा गाजीपुर। रामपुर मांझा थाना अंतर्गत ग्राम मांझा (मड़इ) विमला पत्नी धर्मदेव यादव अपने घर की सफाई करते समय करीब 6:00 बजे शाम को सर्प ने डस लिया। गांव के लोगों को जानकारी होने पर गांव के लोगों के द्वारा जिला अस्पताल सदर ले गये। जहां पर डॉक्टर के द्वारा मृत घोषित कर दिया। मृतका के चार बच्चे है, जिसमे तीन लड़किया कंचन, रंजना, आरती और एक लड़का अंकित यादव, जिसकी उम्र 13 वर्ष है। परिजनों सहित बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है ।

सामाजिक सरोकार ही हमारा धर्म है : रेयाज अहमद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जब समाज और इंसानियत के लिए कुछ करने का जज्बा हो तब रुकावटें अपना रास्ता खुद बदल लेती हैं। गाजीपुर जनपद के तहसील मुहम्मदाबाद में नगर के फतहबाग के रहने वाले युवा समाजसेवी रेयाज अहमद किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। लोगों की जरूरत पर मदद के लिये हमेशा तत्पर रहने वाले रेयाज अहमद लोगों की दुआओं और आशीर्वाद को ही अपना एवॉर्ड समझते हैं। जनता की मदद के लिये सदैव तत्पर रहने वाले रेयाज अहमद के लिये वक़्त की बंदिशें लागू नहीं होती हैं। रात बिरात किसी की तबीयत का खराब हो जाना हो या फिर माताओं-बहनों को किसी भी वक़्त अस्पताल के लिए एम्बुलेंस अथवा कार की जरूरत हो रेयाज अहमद सेवा में लग जाते हैं। नई पीढ़ी के नौजवानों की आवाज को बुलंद करने के लिये रेयाज अहमद ने युवा एकता मंच का गठन किया है। जिसके माध्यम से जन समस्याओं को अधिकारियों के पटल पर रखकर तुरंत निदान की गुहार लगाते हैं। नगर में आये दिन बिजली की समस्या से जूझ रही जनता को अधिकारियों से मिलकर समस्या के हल के लिये अकसर प्रयासरत दिखते हैं। एक सवाल के जवाब में रेयाज अहमद ने बताया कि सामाजिक सरोकार ही हमारा धर्म है और नगर की गंगा-जमुनी तहजीब की हिफाजत करना हमारा कर्तव्य है।

बड़ौदा यूपी बैंक द्वारा वृहद् ग्राम चौपाल का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बड़ौदा यू पी बैंक काजीसराय शाखा द्वारा ग्राम गोकुलपुर, वाराणसी में वृहद् ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया` आयोजित ग्राम चौपाल में बैंक सखी श्रीमती रीना देवी, समूह सखी सोनाली पाण्डेय, सरोज देवी, नगीना देवी ने स्वागत गान से मुख्य अतिथि श्री डी के तिवारी मुख्य प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी का स्वागत किया गया पंडित ओमप्रकाश पाठक ने संखनाद के द्वारा चौपाल का शुभारम्भ किया` आयोजित ग्राम चौपाल में बैंक के वित्तीय सलाहकार डी पी पांडेय द्वारा बैंक की विभिन्न ऋण एवं जमा योजनाओ की जानकारी दी गयी` मुख्य प्रबंधक डी के तिवारी द्वारा लोगों को सामाजिक सुरक्षा योजनओं की जानकारी दिया गया एवं सभी से बैंक की शाखा या बैंक मित्र से संपर्क कर इसका लाभ लेने हेतु आवाहन किया गया` ग्राम चौपाल के साथ ही ऋण शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें योजनओं में ऋणियो को ऋण स्वीकृत पत्र प्रदान किया गया जिसमे श्री नामवर यादव को ट्रैक्टर ऋण, श्री लियाकत अली को मुद्रा ऋण इसके साथ ही अन्य को केसीसी, डेयरी केसीसी, सोलर ऋण, स्वयं सहायता समूह ऋण से लाभान्वित किया गया` अंत में क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी श्री राकेश कुमार ने ग्रामीणों को वित्तीय समावेशन से संबंधित जनधन खाता खोलने एवं विभिन्न प्रकार के जमा ऋण योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया साथ ही ग्रामीणों को डिजिटल लेनदेन के बारे में जानकारी एवं उससे होने वाले धोखाधड़ी के बारे में जागरूक किया गया` चौपाल मे कॉर्पोरेट कंपनी मैगनॉट के जिला समन्वयक अरविन्द कुमार एवं बैंक पर्यवेक्षक सुरेन्द्र पाल एवं अनूप शर्मा उपस्थित थे।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वाधान में गोकुलधाम हरहुआ में चला वृहद वृक्षारोपण

प्रखर वाराणसी। सुरेंद्र चौधरी पुलिस उपमहानिरीक्षक रेंज चंदौली के निर्देशन में एवं श्री अनिल कुमार बृछ कमांडेंट 95 बटालियन के देखरेख में 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड अम्बेसडर अनिल कुमार सिंह के मिशन एक करोड़ पौधे के तहत गोकुलधाम हरहुआ में सुप्रसिद्ध कथा वाचक शांतनु जी महाराज के जन्मदिन के अवसर पर बृहद वृक्षारोपण किया गया जिसमें रुद्राक्ष, अमरूद,आंवला,नींबू इमली आदि के पौधे लगाए गये इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कथा वाचक शांतनु जी महाराज थे विशिष्ट अतिथिमयंकेश्वर शरण सिंह तिलोई स्वास्थ्य राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, राकेश प्रताप सिंह गौरीगंज विधायक एवं हनुमान सिंह सहायक कमांडेंट 95 बटालियन थे शांतनु महाराज ने चंद्रयान तीन की सकुशल लैंडिंग की सफलता के लिए

अपने कथा के माध्यम से इसरो के वैज्ञानिकों एवं भारत के नागरिकों को बधाई दिए एवं पर्यावरण संरक्षण पर अपने उद्बोधन मे कहा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण से मुक्ति पाने हेतु सभी को पौध रोपण करना होगा तभी ग्लोबल वार्मिंग से बचा जा सकता महाराज जी ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सृजन संस्था के अध्यक्ष अनिल सिंह एवं 95 बटालियन सीआरपीएफ की प्रसंशा करते कहा कि देश,समाज, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण के लिए अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं।पर्यावरणविद विद एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष का कर रहे अनिल कुमार सिंह ने सभी को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाकर कार्यक्रम का सकुशल कुशल संचालन किये । इस कार्यक्रम में 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के निरीक्षक विवेक राय एवं प्रवीण सिंह ने पूरी टीम के साथ, समाजसेवी प्रसिद्ध नारायण सिंह देवेंद्र सिंह परवै ब्लाक प्रमुख, वरूण सिंह, सौरभ सिंह पटेल आदि लोगों ने महत्वपूर्ण निभाएं।

लूबी पम्प करेगी चौराहे का सुंदरीकरण, नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी को सुंदरीकरण को लेकर सौपा पत्रक

प्रखर मिजार्पुर। शनिवार की सुबह लालडिग्गी स्थित प्रधान कार्यालय पर अहमदाबाद की लूबी पम्प कंपनी के एरिया मैनेजर ने नगर में सुंदरीकरण एवं विकास कार्यों में कंपनी के सहयोग को लेकर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी से मुलाकात की। जहां उन्होंने मीरजापुर नगर के एक चौराहे को कंपनी की तरफ से सुंदरीकरण कराने के योगदान को लेकर पत्रक सौपा।नपाध्यक्ष ने कम्पनी के मैनेजर को चौराहे के सुंदरीकरण कराने की पहल के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया।इस मौके पर उन्होंने कहा की नगर के एक चौराहे का सुंदरीकरण कराने के लिए कंपनी का सहयोग किया जायेगा।ईओ को सुंदरीकरण करने वाले चौराहे को चिन्हित करने के लिए निर्देशित कर दिया गया है।नगर के विकास और सुंदरीकरण कार्यों में सहयोग के लिए कंपनी,संस्था और अन्य संभ्रांत लोगो को आगे आना चाहिए।जिससे चौराहे,पार्कों,घाटों एवं ऐतिहासिक स्थलों का सुंदरीकरण किया जा सके है।

कासिमाबाद पुलिस ने किया दहेज उत्पीड़न के आरोपी माता पुत्र को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के मार्गदर्शन में थाना स्थानीय पर पंजीकृत धारा 498ए/304बी भादवि व 3/4 डीपी एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्तगण विपिन बिन्द पुत्र बलिराम बिन्द निवासी मुसल्लपुर थाना नोनहरा गाजीपुर व शीला देवी पत्नी बलिराम बिन्द निवासी मुसल्लपुर थाना नोनहरा गाजीपुर को मुखबिरी सूचना पर आज शनिवार को समय 07.10 बजे ग्राम मुसल्लहपुर से थानाध्यक्ष नोनहरा संतोष कुमार राय उप निरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा मय हमराह कांस्टेबल धीरज राव, कांस्टेबल आदर्श यादव महिला कांस्टेबल नीलम चौधरी द्वारा गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण के विरूद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शहीद वीर अब्दुल हमीद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर विहीन, आखिर कौन करे इलाज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जखनिया क्षेत्र के धामूपुर में शहीद वीर अब्दुल हमीद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्थाएं हावी हैं ,यहां ना तो डॉक्टर हैं और ना ही सफाईकर्मी हैं। इनकी तैनाती नहीं होने के कारण लोगों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग जिम्मेदार है ,सब कुछ जानते हुए भी आंख पर पट्टी बांधे बैठे हैं। जानकारी के अनुसार धामुपुर वीर अब्दुल हमीद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ० राकेश रोशन की तैनाती हुई थी जिनका शासन द्वारा मऊ जनपद टांसफार्मर हो गया उसके बाद अब तक किसी नए डॉक्टर की तैनाती ही नहीं हुई। फार्मासिस्ट रामसुरेश चौरसिया मरीजों का इलाज करते हैं, वार्ड बॉय निषाद अहमद अखिलेश यादव इसी अस्पताल में सबद्ध है। अस्पताल में लैब असिस्टेंट ललित कुमार और सौम्या गुप्ता की तैनाती है। मरीज स्वास्थ्य केंद्र धामुपुर पहुंचते हैं, तो डॉक्टर न होने कारण कुछ मरीज उन्हें मायूस होकर अन्य अस्पताल में ईलाज के जाना पड़ता है। लोगों को इलाज के लिए ब्लॉक

मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ता है। कुछ दिन पूर्व धामूपुर गाँव के समाजसेवी अनिकेत चौहान ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑनलाइन पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई, और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार डॉ0 मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर भी शिकायत की है,और अस्पताल का वीडियो बनाकर उसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के पोर्टल तथा ट्विटर , फेसबुक पोस्ट कर दिया । फिलहाल स्थिति ज्यो की त्यों बनी हुई है। इस बदहाल स्थिति पर ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल में टँकी का प्रदूषित पानी पीना पड़ता है। जिससे स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। इसके लिए एक हैंडपंप की भी व्यवस्था की जाए और ग्रामीणों का कहना है, कि वीर अब्दुल हमीद स्वास्थ्य केंद्र पर कुत्ता काटने वाला रैबीज इंजेक्शन का भी प्रावधान किया जाए। समाजसेवी अनिकेत चौहान का कहना है, कि शहीद वीर अब्दुल हमीद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धामूपुर में एक डॉक्टर और एक सफाई कर्मचारी की नियुक्ति की जाए जिससे क्षेत्रवासियों इलाज के दूर न जाना पड़े।

8 सितम्बर तक चलेगा 38वाँ राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सम्पूर्ण भारत में नेत्रदान कार्यक्रम को जन- जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के अन्तर्गत वाराणसी में 38वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत भारत के लगभग 15 लाख एवं वाराणसी आई बैंक सोसाइटी की प्रतीक्षा सूची में पंजीकृत 1100 से अधिक दृष्टिहीनों को पुर्नज्योति प्रदान करने के लिए विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से नेत्रदान जनजागरण कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा यह जानकारी साह हास्पिटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्था के सचिव डा0 सुनील साह ने दी ` डा. साह ने बताया कि वाराणसी आई बैंक सोसाइटी की स्थापना 1990 हुई थी और अब तक लगभग 9000 निःशुल्क नत्र प्रत्यारोपण किया जा चुका है वर्ष 2023 में अब तक 102 नेत्र प्रत्यारापेण किया गया है उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा 2007 में उत्तर प्रदेश में पहली बार एक काली पुतली से दो दृष्टिहीनो को नेत्र प्रत्यारोपण की ऊअछड और ऊअएड तकनीक प्रारम्भ की गयी थी तथा गत वर्ष से सबसे आधुनिक ढऊएड तकनीक का प्रयोग आरम्भ किया जा रहा है` डा. साह ने बताया कि जनसंख्या के हिसाब से भारत के सबसे बड़े राज्य उ0 प्र0 में नेत्रदान का प्रतिशत बहुत कम है इसका प्रमुख कारण अस्पताल नेत्र संबंधन कार्यक्रम का कियान्वयन न होना है उ० प्र० में नेत्रदान कार्यक्रम को गति प्रदान करने हेतु प्रदेश के सभी महानगरों में अस्पताल नेत्र सर्वधन कार्यक्रम आरम्भ करने की आवश्यक्ता है उन्होने कहा कि यदि बनारस के बड़े अस्पताल जहाँ आई.सी.यू. की सुविधा उपलब्ध है नेत्रदान के सम्बन्ध में सहयोग दें तो निश्चित रूप से वाराणसी पूरे प्रदेश के लिए उदाहाण बन सकता है इसके लिए कुछ अस्पतालों को चिन्हित किया गया गया है जिनके साथ सभा का आयोजन किया जायेगा` पत्रकार वार्ता में संस्था के अध्यक्ष प्रद्युम्न कुमार साह ने बताया कि अब शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामिण क्षेत्रों में भी नेत्रदान के प्रति रुझान बढ़ा है जो एक अच्छा संकेत है इसलिए पखवाडे के मध्य ग्रामिण क्षेत्रों में भी जागरुक्ता अभियान चलाया जायेगा उन्होंने कहा कि पखवाड़े का आयोजन में रोटरी क्लब शिवगंगा व गंगा, इनरव्हील क्लब बनारस, सुबहे बनारस, ग्रीन पीस नेचर फाउण्डेशन, साधना फाउण्डेशन, सेतु तथा भारत विकास परिषद आनन्दम का सहयोग लिया जा रहा है` उपाध्यक्ष बृजेश महेशवरी ने कहा कि पखवाड़े के दौरान जागरुक्ता रैली, अस्पतालों, स्कूलों, उद्यानों आदि स्थानों पर लघु फिल्म, नुककड़ नाटक, बैनर, बोर्ड आदि माध्यम से जनता को जागृत करने का प्रयास किया जायेगा तथा पखवाड़े के मध्य 10 हजार मोबाइल स्टीकर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है पत्रकार वार्ता में डा. अजय मौर्या, अभिलाष गुप्ता, अप्पु गोयल, मो0 शकील आदि सदस्यगण उपस्थित थे।

थाना समाधान दिवस पर पहुंच कर पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने सुनी फरियाद

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाने पर आयोजित थाना समाधान दिवस में नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने सम्मिलित होकर फरियादियों की समस्याएं सुनी। आयोजित थाना समाधान दिवस में कुल 12 मामले पहुंचे थे जिसमें दो पुलिस से संबंधित एवं दस राजस्व से संबंधित थे पुलिस से संबंधित दो मामलों को मौके पर ही निस्तारित किया गया ।वहीं थाना क्षेत्र के तीन अन्य मामले फरियादियों द्वारा लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पहुंचे थे। जिसका निस्तारण पुलिस अधीक्षक ने मौके पर ही किया, राजस्व से संबंधित 10 अन्य मामलों को संबंधित लेखपाल एवं पुलिस कर्मियों को निस्तारित करने के लिए मौके से ही रवाना किया खबर लिखे जाने तक राजस्व के मामलों को निस्तारण में संबंधित कर्मी एवं पुलिस बल प्रायसरत थे। पुलिस अधीक्षक ने करवाई रजिस्टर को चेक करने के बाद थाना क्षेत्र के सुक्रुत बार्डर तक अपने वाहन से मुवायना किया। तत्पश्चात वहीं से जनपद मुख्यालय के लिए रवाना हो गया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं